प्रयागराज, रविवार 08 दिसम्बर 2024 से शनिवार 14 दिसम्बर 2024 तक
वर्ष-12 , अंक-49
पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

नगर संस्करण

12

02/12/2024

03/12/2024

04/12/2024

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

(वरिष्ठ आई.पी.एस.) श्री अविनाश चन्द्रा
महानिदेशक
अग्निशमन सुरक्षा एवं आपात सेवा उत्तर प्रदेश
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

05/11/2024

06/12/2024

07/12/2024

8.pmd 1 12/7/2024, 4:13 PM

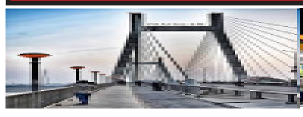

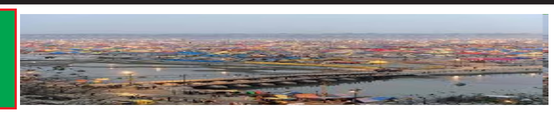

सिमरन मॉडल चाय वाली जी से खास मुलाकात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ। सब से बढ़ा रोग क्या कहेंगे लोग मैं जब जब लिखती हूं स्त्री मन की व्यथा तब तब कोसी जाती हूं स्त्री के ही द्वारा जब जब लिखती हूं पुरुष स्त्री का दर्द नहीं समझती वाद प्रतिवाद का सिलसिला शुरू हो जाता है क्यों एक स्त्री ही बनती है हमेशा कारण किसी दूसरी स्त्री की पीड़ा का क्यों हम पुरुषों की तरह एक

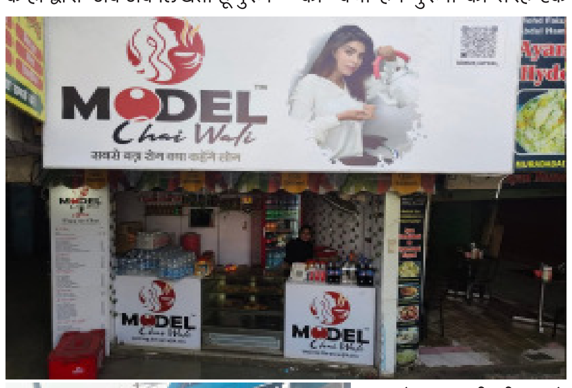

भाव से अपनी पीड़ा को समझ नहीं पाते हर बार हर वक्त हर हाल में कहीं ना कहीं अपनी पीड़ा के लिए जिम्मेदार ठहरा देती है पुरुष को जबकि कहीं ना कहीं हमेशा एक स्त्री जुड़ी हुई होती है इस पीड़ा में हमें बदलाव चाहिए महिला शशक्तिकरण की बाते तो करते है पर उसका अर्थ आज तक नहीं समझ पाए पुरुष अधूरा है स्त्री के बिना ठीक उसी तरह स्त्री भी हमेशा अधूरी ही रहेगी किसी पुरुष के बिना ये साज श्रृंगार किसी काम का नहीं अगर कोई पुरुष ही आपकी सराहना ना करे ऐसी खूबसूरती का क्या करेंगे जब मन की पीड़ा सराही जाती हूं हर पुरुष द्वारा पुरुष और स्त्री दोनों की पीड़ा एक सी है के उनकी पीड़ा कोई समझता नहीं दोनो पर ही जिम्मेदारी का बोझ लाद दिया जाता है दोनो से ही जरूरत से ज्यादा उम्मीद की जाती है लेकिन एक पुरुष हमेशा दूसरे की पीड़ा में साथ देता है उसे समझता है क्योंकि पुरुष को पुरुष ही भली भांति समझ सकता है जबकि स्त्रियों के साथ ऐसा नहीं है जो संपन्न है वो कभी अपने से निचले तबके की कोई उसकी तारीफ ही ना करे बदलाव पहले खुद में लाना है तब किसी और के बारे में सोचना है ताकि जब भी कहीं भी लिखी जाए स्त्री मन की वेदना कभी कोई स्त्री उसका विरोध ना करे स्वागत करे किसी दूसरे की मन की पीड़ा का और सहभागी बने उसके हर सुख दुख में एक ज्योत अभी जलानी है एक चिंगारी बस अभी फूंकी है संगीता शर्मा पत्रिका हेड आधुनिक समाचार लखनऊ।

प्रयागराज से स्वच्छता का विश्वस्तरीय संदेशः सबसे बड़ी रंगोली का निर्माण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। प्रयागराज नगर निगम द्वारा 7 से 10 दिसंबर तक यमुना क्रिश्चियन इंटर कॉलेज, कटरा में विश्व की सबसे बड़ी रंगोली का निर्माण किया जा रहा है। इस आयोजन में 50,000 से अधिक महिलाएं, बच्चे और कलाकार 55,000 स्क्वायर फीट में रंगोली बनाएंगे, जिससे प्रयागराज का नाम वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स (लंदन, यूके) में दर्ज होगा उद्घाटनः माननीय महापौर श्री गणेश केसरवानी 8 दिसंबर को सुबह 11:00 बजे कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे विशेष झलकः रंगोली में महाकुंभ, स्वच्छ भारत अभियान और नगर निगम के स्वच्छता कार्यों को प्रदर्शित किया जाएगा। सामग्रीः बायोडिग्रेडेबल पाउडर, प्राकृतिक रंग, और फूलों की पंखुड़ियों का उपयोग। प्रदर्शनी और सांस्कृतिक संध्याः स्वच्छता अभियानों और डिजिटल पोर्टल्स पर विशेष जानकारी के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां। यह आयोजन प्रयागराज को स्वच्छ, सुंदर और सांस्कृतिक रूप से सशक्त बनाने का नगर निगम का संकल्प है। आइए, इस ऐतिहासिक पहल का हिस्सा बनें और स्वच्छता का संदेश पूरे विश्व में फैलाएं।

ब्लॉक स्तरीय जनप्रतिनिधि व अध्यापक संगोष्ठी संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) घूरपुर। प्रयागराज ब्लॉक संसाधन केंद्र जसरा

में शुक्रवार को एक दिवसीय जनप्रतिनिधि एवं प्रधानाध्यापक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। बतौर मुख्य अतिथि बारा विधायक वाचस्पति ने शिक्षकों और अभिवावकों के बीच सामंजस्य स्थापित करते हुए शिक्षण व्यवस्था स्थापित करने की बात कही। शिक्षा विभाग द्वारा चल रही कई विद्यालय प्रबंधन समितियों के प्रतिनिधि, ग्राम प्रधान और विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिका आयोजन में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक बारा वाचस्पति और ब्लाक प्रमुख जसरा अजीत सिंह उर्फ पप्पू ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में विकास खंड के विद्यालयों में निपुण भारत की उपलब्धि, डीबीटी के माध्यम से अभिभावकों के खाते में भेजी जाने वाली धनराशि, शारदा एवं समर्थ कार्यक्रम, विद्यालय विकास योजना, कायाकल्प योजना, निपुण लक्ष्य आदि कार्यक्रमों की उपलब्धियों पर चर्चा की गई। खण्ड शिक्षा अधिकारी जसरा अखिलेश वर्मा ने कार्यक्रम में आए अतिथियों को अंगवस्त्र और स्मृतिचिह्न देकर सम्मानित किया। ग्राम प्रधान भीटा बबलू प्रधान, सुरेंद्र पटेल, बिहारी लाल जायसवाल, ओम प्रकाश मिश्र, राम मनोहर कुशवाहा, मंडल अध्यक्ष भाजपा जसरा जगत शुक्ल,भूपेंद्र पाठक, उपेंद्र द्विवेदी, देवव्रत द्विवेदी,शंकर चंद्र द्विवेदी, शिव भूषण सिंह पटेल, सरोज सिंह, डॉक्टर एसपी सिंह, जितेंद्र मिश्र,मयंक धर द्विवेदी, गिरीश सिंह, सतीश कुशवाहा, महेंद्र सिंह, श्यामाकांत द्विवेदी, मयंक तिवारी, होरीलाल सहित दर्जनों प्रधान व प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन बबिता वर्मा ने किया ।

ट्रेनिंग के बाद अग्निवीर पहुंचा अपने गांव पिता व परिजनो के आँखों से छलक के खुशी के आसू

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। स्थानीय गांव बनी के निवासी अग्निवीर आदित्य कुमार बिंद का उनके गाँव में शानदार स्वागत किया गया। सात महिने की कठिन ट्रेनिंग के बाद जब आदित्य अपने गांव लौटे तो ग्रामीणों ने उनका जोर दार स्वागत किया। आदित्य कुमार बिन्द जी ग्राम-बनी, जिला-प्रयागराज के रहने वाले है। इस योजना के तहत सेना में भर्ती होने के लिए अपनी तैयारी की और पहली ही बार में भर्ती हो गयें। अब उनकी पोस्टिंग गुजरात में हुई है। जहाँ देश की सुरक्षा मे अपनी आगे की भूमिका निभायेगे आदित्य का यह सफर केवल उनके लिए नही बल्कि उनके परिवार और समुदाय के लिए भी गर्व का विषय है। आदित्य के बड़े भाई श्री तीर्थराज बिन्द जो कि पुलिस विभाग में दीवान के पद पर कार्यरत है। उनके लिए हमेसा प्रोत्साहक बने रहें। उनका कहना है कि आदित्य बहुत ही प्रतिभावान है। और उनका सफर अधिकारी बनने तक जाएगा। अग्निवीर योजना से जुड़ी यह सफलता की कहानी में न केवल आदित्य के लिए ही नहीं बल्कि उनके पूरे गांव के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है। यह दिखाता है कि अगर सही मार्गदर्शन और प्रोत्साहन मिले तो कोई भी युवा अपने सपनों को साकार कर सकता है।

निजी औद्यौगिक पार्कों के विकास की नई योजना प्रारम्भ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। उपयुक्त उद्योग ने बताया है कि उ0प्र0 सरकार वैश्विक निवेशक सम्मेलन के पश्चात निवेशको के प्रस्तावों को धरातल पर लाये जाने हेतु आवश्यक औद्यौगिक भूमि की आवश्यकता को पूर्ण करने हेतु निजी

औद्यौगिक पार्कों के विकास की नई योजना प्रारम्भ की गई है। योजना का नाम है। उन्होंने योजना के महत्वपूर्ण बिन्दु के बारे मे जानकारी देते हुए बताया है कि इस योजना में औद्यौगिक पार्कों को निजी प्रवर्तक द्वारा के आधार पर संचालित किया जायेगा। योजनान्तर्गत 10 से 50 एकड़ तक की भूमि पर औद्यौगिक पार्क विकसित किया जा सकेगा। योजना में बनाये जाने वाले औद्यौगिक पार्क में न्यूनतम एक एकड़ 01 इकाई को भूखण्ड आवंटन का प्रावधान होगा तथा कुल विकसित औद्यौगिक क्षेत्र में 75 प्रतिशत भूखण्ड सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाईयों के लिए आरक्षित रहेगा। औद्यौगिक पार्क के विकास हेतु आवश्यक धनराशि भूमि के मूल्य का 90 प्रतिशत जिलाधिकारी दर पर अथवा औद्यौगिक पार्क के विकास हेतु आवश्यक धनराशि में से जो कम हो, 01 प्रतिशत ब्याज दर पर सरकार द्वारा उपलब्ध करायी जायेगी। शेष 10 प्रतिशत धनराशि निजी प्रवर्तक द्वारा स्वयं के स्रोतो अथवा बैंक ऋण से करनी होगी। औद्यौगिक पार्क के विकास की लागत गणना अधिकतम रू0 50 लाख प्रति एकड़ की दर से दी जायेगी। औद्यौगिक पार्क में आवश्यक अवस्थापना सुविधाओं जैसे-बाउण्ड्री वाल/फेन्सिंग, आन्तरिक मार्ग (कंक्रीट रोड), नाली, कल्वर्ट, विद्युत संयोजन मय ट्रान्फारमर, पेय जल सुविधा व सीवेज इत्यादि का विकास मानक के अनुरूप करना होगा। सरकार द्वारा उक्त औद्यौगिक पार्क के विकास हेतु दी जाने वाली धनराशि दो समान किस्तो में दी जायेगी। प्रथम किस्त की 75 प्रतिशत धनराशि का उपयोग हो जाने पर द्वितीय किस्त जारी की जायेगी। निजी प्रवर्तक द्वारा उक्त औद्यौगिक पार्क के विकास हेतु क्रय की जाने वाली भूमि पर एमएसएमई नीति-2022 के अन्तर्गत 100 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क की छूट दी जायेगी। औद्यौगिक पार्कों के विकसित भूखण्डों की बिकी से प्राप्त होने वाली धनराशि एसक्रो खाते में रखी जायेगी तथा परियोजना के विभिन्न स्टेकहोल्डर को उनके योगदान के अनुरूप वापस की जायेगी। योजनान्तर्गत राज्य सरकार द्वारा औद्यौगिक पार्क के विकास हेतु दी गयी धनराशि अधिकतम 06 वर्षों में वापस करनी होगी। प्रथम 03 वर्ष तक उक्त दी गयी धनराशि पर 01 प्रतिशत का साधारण ब्याज लिया जायेगा। चौथे वर्ष से छठें वर्ष तक 6 प्रतिशत की दर साधारण ब्याज लगेगा। योजना की विस्तृत जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय-जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, सिविल लाइन्स, रायबरेली से सम्पर्क किया जा सकता है।

श्री राम- सीता विवाह उत्सव, भजन संध्या में झूमे श्रद्धालु

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर पड़ने वाले सीता विवाह पंचमी पर जिला मुख्यालय राबर्ट्सगंज स्थित श्री राम जानकी संकट मोचन मंदिर पर देर शाम प्रधान पुजारी राजकुमार पाण्डेय के नेतृत्व में भजन संध्या का आयोजन किय गया। इस अवसर पर भजन गायक दिलकश विश्वकर्मा, भईया लाल पाठक ने अवध नगरिया से अइले बरतिया हे सुहावन लागे..., का गायन किया।तो वहीं डॉ राहुल और सूरज गुप्ता ने मिथिला भजन 'हेरी सखी मंगल गाओ रे... आदि की प्रस्तुति की। भजन गायकों के साथ तबला पर आदर्श ने एवं बैंजो पर रामानंद विश्वकर्मा ने संगत किया। इसके पूर्व मन्दिर के प्रधान पुजारी राजकुमार पाण्डेय ने मन्दिर में स्थापित श्री राम जानकी की मूर्ति का भव्य श्रृंगार कर सांध्यकालीन आरती किए। और फिर वहा उपस्थित भक्तो में प्रसाद का वितरण किया गया। वहीं इस अवसर पर पुजारी राजकुमार पाण्डेय ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को विवाह पंचमी मनाई जाती है। इस दिन भगवान श्रीराम और मां जानकी का विवाह हुआ था। धार्मिक मान्यता है कि विवाह पंचमी पर भगवान श्रीराम और मां जानकी की पूजा-अर्चना करने से सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है, साथ ही घर में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली आती है। भजन संध्या में मुख्य रूप से डूंगरमल अग्रवाल, देवानंद, शिवा पाण्डेय, सचिन, केतन, हिमांशु, मोनू, राहुल, शिवपूजन दूबे, गणेश पांडे, प्रथम, आशु, राज नारायण तिवारी, प्रदीप चौबे, मोनू गुप्ता सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

धान खरीद केंद्रों की नियमित निगरानी कराएं जिलाधिकारी - पू0न0नि0किसान मंच

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। किसानों की आवाज उठाने वाले पूर्वांचल नव निर्माण किसान मंच के नेता श्रीकांत त्रिपाठी तथा गिरीश पाण्डेय ने शुक्रवार को धान खरीद केंद्रों का दौरा करते हुए किसानों से की जा रही धान खरीद का जायजा लिया। किसान नेता श्रीकांत त्रिपाठी तथा गिरीश पाण्डेय ने बताया कि भ्रमण के दौरान राजकीय धान क्रय केंद्र नगवां तथा राजकीय धान खरीद केंद्र चतरा में एक एक कांटा लगाकर धान खरीद किया जाना दिखाई दिया जबकि कागजों पर दो दो सेंटर और चार चार कांटें नगवा तथा चतरा में आवंटित हैं। किसान नेता श्रीकांत त्रिपाठी तथा गिरीश पाण्डेय ने बताया कि भ्रमण के दौरान साधन सहकारी समिति आमडीह शुक्रवार को बंद मिला। किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि कागजों में की गई धान खरीद के सापेक्ष भौतिक रूप से क्रय केंद्रों पर धान का भण्डार बहुत कम दिखाई दिया। कहा कि सरकारी धान खरीद केंद्रों पर किसानों की उपेक्षा के कारण किसान विवश होकर राइस मिलों पर जाने लगे हैं , यही कारण है कि सरकार धान खरीद केंद्रों से अधिक भीड़ किसानों की राइस मिलों पर देखने को मिल रही है। नेता द्वय ने जिलाधिकारी सोनभद्र बीएन सिंह का ध्यानाकर्षण धान खरीद पर कराते हुए धान खरीद की नियमित निगरानी कराने की मांग किया है। इस मौके पर किसान मंच के लवकुश पाण्डेय, बबुंदर यादव, सुनील गुप्ता, राधेश्याम तिवारी, अनिल मिश्रा, सुरेन्द्र यादव सहित दर्जनों किसान उपस्थित थे।

समाजवादी पार्टी की जिला मासिक बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। मासिक बैठक में सफाईयों ने डोर टू डोर जन संपर्क करने का लिया संकल्प । शनिवार को समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने बताया कि समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक जिला पार्टी कार्यालय पर संपन्न हुई। बैठक में समाजवादी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ताओं ने यह संकल्प लिया कि हम लोग समाजवादी पार्टी के नीतियों को डोर टू डोर पहुंचने का काम करेंगे । बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि आप लोग डोर टू डोर जाकर एक-एक मतदाताओं से मिलकर संपर्क करें और जिन मतदाताओं का वोटर लिस्ट में नाम नहीं है उसका नाम बढ़ाने का काम करें और जिन मतदाताओं का फर्जी नाम उसे कटवाने का काम करें जिससे मतदान प्रतिशत बढ़ सके और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की नीतियों को जन जन तक पहुंचने का काम करें ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद छोटेलाल खरवार ने कहा कि इस भाजपा सरकार में किसानों मजदूरों नौजवानों आदिवासियों व्यापारियों अल्पसंख्यकों का शोषण चरम सीमा पर है। भाजपा सरकार को आम जनमानस से कोई लेना-देना नहीं है। यह सरकार पूंजी पतियों की सरकार है । भाजपा सरकार हमेशा आदिवासियों का शोषण करने का काम किया है । वह चाहती है कि कोई आदिवासी आगे न बढ़े । बैठक को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से एम एल सी आशुतोष सिंहा, दुद्धि विधायक विजय सिंह गोंड, विधानसभा अध्यक्ष अवधनारायण यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष रविंद्र बहादुर सिंह पटेल श्याम बिहारी यादव संजय यादव विजय यादव राम भरोसे सिंह पटेल पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनिल यादव जिला महासचिव मोहम्मद शईद कुरैशी जिला उपाध्यक्ष वेदमणी शुक्ला राम प्यारे सिंह पटेल अनिल प्रधान अशोक पटेल डॉक्टर लोकपति सिंह पटेल रमेश सिंह यादव विजय शंकर जायसवाल त्रिपुरारी गौड़ बाबूलाल यादव परमेश्वर यादव सत्यम पांडे सरदार पारब्रह्म सिंह परशुराम यादव शिव नारायण चौहान नामवर कुशवाहा सनी पटेल राम सजीवन अहीर विमलेश पटेल रामेश्वर भाई पटेल प्रमोद यादव लाल बहादुर पाल लालबरत यादव राम लखन जगत पटेल हिदायत उल्ला खां अमरेश यादव मन्नू पांडे दशरथ यादव अजय कुमार साहनी जयप्रकाश मौर्य संजय यादव संतोष पासवान अजय यादव गुलाम यासीन शौर्य त्रिपाठी बाबू हाशमी धर्मेंद्र मौर्य रामजतन प्रजापति राजमणि यादव लल्लू भारती जितेंद्र बियार राजनाथ विनीत सरोज चंद्रमणि सिपाही कोल देशमुख कोल अखिलेश यादव जिज्ञासु सुरेंद्र यादव के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

थाना अनपरा पुलिस द्वारा 01 नफर अभियुक्त के कब्जे से कुल 1.300 किलो गांजा बरामद कर गिरफ्तार किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी रोकथाम व मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज दिनांक 07.12.2024 को थाना अनपरा पुलिस द्वारा कहुआनाला छठ घाट रेलवे पुलिया के पास से एक नफर अभियुक्त सुरज गुप्ता पुत्र राजकुमार गुप्ता निवासी औडी कुडिया मोहल्ला थाना अनपरा जनपद सोनभद्र उम्र करीब 24 वर्ष के कब्जे से कुल 1.300 किलो गांजा बरामद कर गिरफ्तार किया गया। उक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना अनपरा पर मु0अ0सं0193/24 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गयी। नोट-गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध जनपद सोनभद्र में आधा दर्जन अभियोग पंजीकृत हैं। **गिरफ्तारशुदा अभियुक्त का विवरण-** 1.सुरज गुप्ता पुत्र राजकुमार गुप्ता निवासी औडी कुडिया मोहल्ला थाना अनपरा जनपद सोनभद्र उम्र करीब 24 वर्ष । बरामदगी का विवरण- 1.300 किलो गांजा । गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम- 1.30 नि0 उदय भान राव थाना अनपरा जनपद सोनभद्र। 2.हे0 का0 रविशंकर बिंद थाना अनपरा जपनद सोनभद्र। 3.हे0का0 धर्मेन्द्र कुमार पाल थाना अनपरा जनपद सोनभद्र।

थाना अनपरा पुलिस द्वारा 01 नफर अभियुक्त के कब्जे से कुल 1.250 किलो गांजा बरामद कर गिरफ्तार किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी पिपरी के निकट पर्यवेक्षण में थाना अनपरा पुलिस द्वारा दिनांक 06.12.2024 को काली माता मन्दिर के पास कुबरी घाट औडी मोड़ से 01 नफर गांजा तस्कर अभय यादव पुत्र प्रदीप यादव निवासी औडी मोड़ टोला,कुडिया मोहल्ला थाना अनपरा जनपद सोनभद्र उम्र करीब 22 वर्ष के कब्जे से कुल 1.250 किलो गांजा बरामद कर गिरफ्तार किया गया। उक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना अनपरा पर मु0अ0सं0190/24 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गयी। **गिरफ्तारशुदा अभियुक्त का विवरण-** 1.अभय यादव पुत्र प्रदीप यादव निवासी औडी मोड़ टोला,कुडिया मोहल्ला थाना अनपरा जनपद सोनभद्र उम्र करीब 22 वर्ष।**बरामदगी का विवरण-** 1.250 किलो गांजा ।**गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम-**1.30 नि0 उदय भान राव थाना अनपरा जनपद सोनभद्र।2.हे0 का0 रविशंकर बिंद थाना अनपरा जपनद सोनभद्र।3.हे0का0 बृजेश कुमार सिंह थाना अनपरा जनपद सोनभद्र।

विधुत उप केन्द्र छपका का रावर्टशगज का जिलाधिकारी पुलिस अधीक्षक ने औचक निरक्षण किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने 33/11 विद्युत उप केन्द्र राबर्ट्सगंज, 220 एवं 132 के0वी0ए0 विद्युत उप केन्द्र छपका राबर्ट्सगंज का किये औचक निरीक्षण एक मुश्त समाधान योजना की गयी लागू, जल्दी आये, एक मुश्त भुगतान कर ज्यादा लाभ पायें-जिलाधिकारी एक मुश्त समाधान योजना घरेलू वाणिज्यिक, निजी संस्थाओं एवं औद्योगिक संयोजनों के 30 सितम्बर,2024 तक के सरचार्ज पर मिलेगी नियमानुसार छूट जिलाधिकारी बी0एन0सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने 33/11 विद्युत उप केन्द्र राबर्ट्सगंज, 220 एवं 132 के0वी0ए0 विद्युत उप केन्द्र छपका राबर्ट्सगंज का किये औचक निरीक्षण, निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वर्कशाप में विद्युत सम्बन्धित सामग्री के मरम्मत कार्य का जायजा लिये, इस दौरान जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता विद्युत राबर्ट्सगंज से की जा रही विद्युत आपूर्ति व शेड्यूल के सम्बन्ध में जानकारी लिये, अधिशासी अभियन्ता विद्युत को विद्युत आपूर्ति को सुचारू ढंग से संचालित करने हेतु निर्देशित किये, इस दौरान जिलाधिकारी ने सी0सी0टी0वी0 कैमरे के संचालन के सम्बन्ध में भी जानकारी ली तो सी0सी0टी0वी0 कैमरा चालू हालत में नहीं मिला, जिस पर जिलाधिकारी ने सी0सी0टी0वी0 कैमरे की मरम्मत कराने हेतु अधिशासी अभियन्ता विद्युत को निर्देशित किये, इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि विद्युत विभाग द्वारा एक मुश्त समाधान योजना लागू की गयी है, जिसमें जल्दी आये, एक मुश्त भुगतान कर ज्यादा लाभ पायें, एक मुश्त समाधान योजना घरेलू वाणिज्यिक, निजी संस्थाओं एवं औद्योगिक संयोजनों के 30 सितम्बर,2024 तक के सरचार्ज पर नियमानुसार छूट देय होगी, निजी नलकूप के संयोजनों पर एक मुश्त समाधान योजना पूर्व से लागू है, जो अभी भी चल रही है, उपरोक्त समाधान योजना तीन चरणों में होगी, पहला चरण 15 दिसम्बर,2024 से 31 दिसम्बर,2024 तक, द्वितीय चरण 01 जनवरी,2025 से 15 जनवरी,2025 तक तृतीय चरण 16 जनवरी,2025 से 31 जनवरी,2025 तक है, प्रथम चरण में सरचार्ज में सबसे अधिक छूट मिलेगी, उपरोक्त समाधान योजना में मा0 न्यायालय में लम्बित विद्युत बीजक से सम्बन्धित मामले में भी विचारणीय होगें, परन्तु समाधान होने पर सम्बन्धित उपभोक्ता को मा0 न्यायालय से वाद वापस करने का प्रमाण-पत्र देना होगा, आर0सी0 के मामले भी समाधान योजना में शामिल है, परन्तु कलेक्शन चार्ज की धनराशि भी जमा करना होगी, जिसे विभाग द्वारा जिलाधिकारी कार्यालय में जमा करना होगा, उक्त योजना का लाभ लेने हेतु उपभोक्ता विभागीय कार्यालय उप खण्ड कार्यालय एवं सी0एस0सी0 से सम्पर्क कर सकते हैं। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह, अधीक्षण अभियन्ता विद्युत, अधिशासी अभियन्ता विद्युत विद्युत विभाग के जे0ई0, ए0ई0 सहित अन्य सम्बन्धित कार्मिकगण उपस्थित रहें।

लहसुन का बीज न मिलने पर आक्रोशित किसानों ने किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र।लोढी स्थित जिला उद्यान विभाग कार्यालय के सामने शनिवार को जिले के विभिन्न ब्लॉकों से आए किसानों द्वारा लहसुन का बीज न मिलने पर आक्रोशित किसानों ने अधिकारी के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन जताया आक्रोश।किसानों ने बताया कि 4 क लहसुन का बीज देने के लिए दो दिन का समय दिया गया था जिस पर एक दिन ही बीज वितरण कर सूची लटका दी गई वहीं सूचना भी नहीं किया गया दूसरे दिन जब दूर दराज ब्लॉकों से दर्जनों किसान पहुंचे तो वहां बताया गया कि बीज समाप्त हो गया है अब नहीं मिल पाएगा। किसानों ने बताया कि विभाग अधिकारियों द्वारा यह मिली भगत कर कार्य किया गया है अगर यह बीज नहीं वितरित करना था या चिन्हित लोगों को ही देना था तो सूचित कर हम लोगों को अवगत करा देते तो दूर दराज से खेती किसानी का कामकाज बंद कर हम इतना दूर एक दिन का समय बर्बाद ना करते किसानों ने इस मामले को जिलाधिकारी का ध्यान इस तरफ आकर्षित करते हुए जांच कर कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की गुहार लगाई इस मौके पर पुराण गिरी मुघनी लल्लन संतोष राजकुमार सुरेश सिंह हिरावल लाल जी करवंती राजकुमार रामविलास चिरौंजी सहित आदि लोग मौजूद रहे।

मंडलीय स्काउट गाइड प्रतिभागिता में 40 टीमों ने किया प्रतिभाग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। शनिवार को रावटसगंज नगर के हाइडल मैदान परिसर में तीन दिवसी 22 वीं मंडलीय स्काउट और गाइड रैली का शुभारंभ ङमुख्य ङअतिथि ङसंयुक्त ङशिक्षा ङनिदेशक ङविंध्याचल ङमंडल ङउदय ङभान द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन व पूजन अर्चन से किया गया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि रूप में राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरस्कृत वरिष्ठ शिक्षक ओम प्रकाश त्रिपाठी , पूर्व जिला स्काउट शिक्षक और राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरस्कृत द्वय रमाकांत कुशवाहा व उमाशंकर सिंह जी सहित डॉद आरती सिंह (प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कॉलेज डोहरी), दयाशंकर सिंह कुशवाहा (प्रधानाचार्य चंद्रगुप्त मौर्य इंटर कॉलेज मधुपुर), केद पीदमौर्य (प्रधानाचार्य) गणेश देव पांडे (प्रधानाचार्य) व अन्य गणमान्य अतिथियों सहित स्काउट गाइड के विभिन्न पदाधिकारी गण उपस्थित रहे। दिनांक 6 7 व 8 दिसंबर तक चलने वाले इस त्रि दिवसीय मंडल स्तरीय आयोजन में जनपद भदोही, जनपद मिर्जापुर व जनपद सोनभद्र के स्काउट और गाइड की कुल 40 टीमों के द्वारा प्रतिभागिता की जा रही है। आदर्श इंटरमीडिएट कॉलेज रावटसगंज के प्रधानाचार्य संतोष कुमार मौर्या के आयोजकत्व में संचालित इस मंडल स्तरीय आयोजन में स्काउट गाइड के प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया जा रहा है। ङअपने ङअध्यक्षीय ङउद्बोधन में संयुक्त शिक्षा निदेशक द्वारा विद्यार्थी जीवन में स्काउट गाइड जैसे संगठन के माध्यम से कुशल ङराष्ट्र ङनागरिकों के ङनिर्माण के इन सम्यक प्रयासों हेतु सभी को शुभकामनाएं व बधाइयां देते हुए बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की साथ ही आदर्श इंटरमीडिएट कॉलेज के प्रधानाचार्य महोदय को इस सुंदर आयोजन हेतु विशेष धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

साई हास्पिटल मे विधिक जागरूकता कार्यक्रम किया गया आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र।अपर जनपद न्यायाधीश/ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र शैलेन्द्र यादव ने अवगत कराया है की उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के आदेशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र के निर्देशन में आज दिनांक 06.12.2024 को प्रातः 11ः00 बजे साई हॉस्पिटल, रार्बट्सगंज, सोनभद्र में दहँदेव् र्ज्त्मिङ्ग विषय पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सत्यारमण त्रिपाठी डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल एवं आकाश कुमार असिस्टेंट लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल, सोनभद्र द्वारा किया गया। शिविर के दौरान साई हॉस्पिटल की डॉ0 श्रीमती अनुपमा सिंह एवं डॉ संजय सिंह तथा 17 महिला स्टाफ एवं अन्य 40 छात्राएं उपस्थित रहे। जिसमे उपस्थित सभी छात्राओं को यौन उत्पीड़न, भारतीय दण्ड संहिता धारा 354 के तहत ईव- टीजिंग (लड़की को छेड़ना) तथा कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध व निवारण) अधिनियम 2013, सेनेटरी नैपकिन योजना, दहेज प्रतिषेध कानून, घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005, लैंगिक अपराधों से संरक्षण, कार्यस्थल पर यौन शोषण संबंधी अधिनियम, गर्भ का चिकित्सीय समापन अधिनियम 1971, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, गिरफ्तारी से पूर्व गिरफ्तारी के समय एवं उसके बाद महिलाओं के अधिकार संबंधी प्रावधान व कानून, पूर्वगर्भाधान और प्रसवपूर्व निदान तकनीक अधिनियम, 1994 तथा विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 अधिनियम की धारा 12 के अन्तर्गत महिलाओं को निःशुल्क विधिक सेवा प्राप्त करने के अधिकार के बारे में उन्हे जागरूक किया गया। तथा महिला हेल्पलाइन नं0 1090 एवं नालसा पोर्टल 15100 हेल्पलाइन नं0 एवं विभिन्न साइबर अपराध के बारे में भी जागरूक किया गया।

सपाइयों ने मनाया बाबा साहब का पर निर्माण दिवस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर शुक्रवार को सपा जिलाध्यक्ष राम निहोर यादव के नेतृत्व में भारत रत्न संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के पर निर्माण दिवस मनाया गया चित्र पर माल अर्पण कर उनके जीवन पर आयोजित की गई गोष्ठी डाला गया प्रकाश। सपा जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने बताया कि बाबा साहब एक ऐसे मसीहा थे जिन्होंने भारत ही सही नहीं पूरे विश्व में अपना नाम भारत के साथ जोड़कर गौरव हासिल किया और उनका इतिहास आज बच्चे बच्चे को बताया जाता है जिससे हम सभी गौरव हासिल करते हैं वही उनके विचारों पर हम सभी कार्यकर्ता चलने का प्रयास करते हैं इस मौके पर शाहिद कुरेशी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनिल यादव, अशोक कुमार प्रधान अनिल यादव, कृपा शंकर महिला सभा अध्यक्ष गीता गौर,सुनील कुमार गोंड सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

केनरा बैंक ने एक निजी लॉन में शनिवार को वृहद ऋण मेला का आयोजन किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। इस दौरान प्रतीकात्मक रूप में 50 लाभार्थियों को 3 करोड के ऋण की सैद्धांतिक स्वीकृति पत्र दिए गए। केनरा बैंक की हर शाखाओं को लक्ष्य पूरा करने की योजना है। इस दौरान केनरा बैंक की अन्य शाखाओं द्वारा अपने स्टाल लगाए गए थे, जिस पर विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही थी। यह आयोजन वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय के निर्देशानुसार किया गया क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी के महाप्रबंधक लंका रमेश के तत्वाधान में अलग अलग जिलों में मेला आयोजित करने का उद्देश्य बताते हुए उपस्थित ग्राहकों के समक्ष बैंकिग के आंकड़े पेश किए। जिला खादी ग्राम उद्योग अधिकारी किरण श्रीवास्तव,डी आईं सी विभाग के अधिकारी ने सरकारी योजनाओं के सरकार द्वारा लाभार्थियों को जानकारी दी क्षेत्रीय मंडल प्रबंधक वाराणसी विनय कुमार सिंह ने बताया कि यह आयोजन हर महीना चलेगा केनरा बैंक के अन्य सभी बैंकों ने रुपये स्वीकृत किए हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की इस साल करोड़ से पार कर जाएगा। क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी से मुख्य अतिथि डीएम विनय सिंह ने जरूरत अनुसार ऋण प्राप्ति एवं ऋण चुकौती पर जोर दिया। उन्होंने आह्वान किया की सभी ग्राहक ऋण के लिए अपने शाखा से संपर्क करें। डीएम ने बताया कि बैंक हर प्रकार के ऋण उत्पाद अपने ग्राहकों को उपलब्ध कराता है। और बताया कि अपने एक जनपद एक उत्पाद एवं मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के बारे में भी बताया। मुख्य अतिथि ने बैंकरों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि नियमित अंतराल पर ऐसे ऋण मेला का आयोजन करते रहना चाहिए। ऐसे आयोजनों से जनपद के ऋण जमानुपात में वृद्धि हो सकेगी इस मौके पर क्षेत्रीय मंडल प्रबंधक वाराणसी,विनय कुमार सिंह, एस एम ई अधिकारी विक्रम कुमार सिंह, निवास कुमार मौर्या, विक्रम सिंह पटेल,विक्रम कुमार सिंह, रंजीत कुमार,सतेंद्र कुमार पटेल,रमीज अकमल।

देश/विदेश

मेरा देश भारत

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को गति प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना प्रारम्भ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। उपयुक्त उद्योग ने बताया है कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को गति प्रदान करते हुए इन उद्योगों

को प्रोत्साहित करने एवं अधिक से अधिक रोजगार सृजित किये जाने तथा प्रदेश में पूंजी निवेश को आकर्षित करने के उ?द्देश्य से प्रति वर्ष 1 लाख नई सूक्ष्म औद्योगिक इकाईयों को स्थापित किये जाने के लक्ष्य के साथ मिशन मोड में आगामी 10 वर्षा की समयावधि में 10 लाख नई सूक्ष्म औद्योगिक इकाईयों स्थापित किये जाने के महत्वपूर्ण उ?द्देश्य से राज्य सरकार द्वारा एक महत्वाकांक्षी योजना ठमुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियानठ योजना का प्रारम्भ किया गया है। उपायुक्त उद्योग ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना आवेदन किये जाने हेतु पात्रता/शर्तों के बारे में बताया है कि आवेदक उत्तर प्रदेश का निवासी हो चाहिए। आवेदक की आयु 21 वर्ष से 40 वर्ष होनी चाहिए। शैक्षिक योग्यता न्यूनतम कक्षा आठ होनी चाहिए। इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण अथवा समकक्ष को वरीयता दी जायेगी। आवेदक सरकार द्वारा संचालित प्रशिक्षण योजनाओं जैसे विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना, अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग प्रशिक्षण योजना, उत्तर प्रदेश स्किल डवलपमेन्ट मिशन द्वारा संचालित कौशल उन्नयन आदि में प्रशिक्षित हो अथवा किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय/शैक्षणिक संस्थान से कौशल संबंधी सर्टिफिकेट कोर्स/डिप्लोमा/डिग्री प्राप्त हो। पूर्व में पीएम स्वनिधि योजना के अतिरिक्त राज्य अथवा केन्द्र सरकार द्वारा संचालित किसी अन्य योजना में ब्याज अथवा पूंजी उपादान का लाभ प्राप्त न किया हो। योजनान्तर्गत वित्त पोषण-उद्योग एवं सेवा क्षेत्र की अधिकतम रू0 5.00 लाख तक की परियोजनाओं के ऋण पर परियोजना लागत का शत प्रतिशत ब्याज उपादान वित्त पोषण की तिथि से अगले 4 वर्षों के लिए दिया जायेगा। कुल परियोजना लागत का न्यूनतम 10 प्रतिशत टर्मलोन के रूप में होना अनिवार्य होगा। परियोजना में भूमि-भवन का कय सम्मिलित नहीं होगा। सामान्य वर्ग के लाभार्थी को परियोजना लागत का 15 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के लाभार्थी को 12.5 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति/जनजाति/दिव्यांगजन के लाभार्थी को परियोजना लागत का 10 प्रतिशत स्वयं के अंशदान के रूप में जना करना होगा। लाभार्थी को परियोजना लागत अथवा अधिकतम रू0 5.00 लाख जो भी कम हो का 10 प्रतिशत मार्जिन मनी सब्सिडी के रूप में दिया जायेगा। द्वितीय चरण (विस्तारीकरण) की परियोजना लागत अधिकतम रु0 10.00 लाख हो सकेगी तथा प्रथम स्टेज में लिये गये ऋण को अधिकतम दो गुना अथवा रू0 7.50 लाख, जो भी कम हो, की ऋण धनराशि पर 50 प्रतिशत ब्याज उपादान वित्त पोषण की तिथि से अगले 3 वर्षों के लिए दिया जायेगा। द्वितीय चरण की परियोजना में कोई मार्जिन मनी सब्सिडी देय नहीं होगी। सीजीटीएमएसई कवरेज हेतु आवश्यक धनराशि का वहन राज्य सरकार द्वारा किया जायेगा। डिजिटल ट्रांजेक्शन के सापेक्ष रू0 1 प्रति ट्रांजेक्शन तथा अधिकतम रू0 2000 प्रतिवर्ष का अतिरिक्त अनुदान प्रति इकाई/लाभार्थी देय होगा। इच्छुक आवेदक बेवसाइट पर 15 दिसम्बर, 2024 के पश्चात ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। अधिक जानकारी हेतु कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र रायबरेली से सम्पर्क किया जा सकता है।

हज यात्रियों को प्रशिक्षण प्रदान किये जाने हेतु प्रशिक्षकों के चयन हेतु ऑनलाइन आवेदन 13 दिसम्बर तक आमंत्रित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। जिला अल्पसंख्यक

कल्याण अधिकारी महिमा ने बताया है कि हज कमेटी ऑफ इण्डिया द्वारा सकुर्लर-15 तिथि 03 दिसम्बर 2024 के अनुसार हज यात्रियों को प्रशिक्षण प्रदान किये जाने हेतु प्रशिक्षकों के चयन हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। आवेदन हेतु आवश्यक निर्देश है कि ऑनलाईन आवेदन 04 दिसमबर, 2024 को प्रातः 11:00 बजे से आरम्भ हो गया जो 13 दिसम्बर 2024 को रात्रि 11:59 बजे तक जारी रहेगा। आनलाईन आवेदन हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर किया जायेगा। हज कमेटी ऑफ इण्डिया द्वारा दिसम्बर 2024 के तीसरे सप्ताह में लिखित परीक्षा ली जायेगी। प्रशिक्षकों को 02 दिवसीय प्रशिक्षण दिल्ली में जनवरी, 2025 के प्रथम सप्ताह में सम्भावित है। केवल आनलाईन आवेदन स्वीकार किये जायेगें। ऑफलाईन आवेदन स्वीकार्य नहीं होगें। आनलाईन आवेदन के समय निर्धारित प्रारूप भी अपलोड करना आवश्यक होगा। प्रशिक्षक हेतु आयु 30 नवम्बर, 2024 को 25 वर्ष से कम व 60 वर्ष से अधिक न हो (जन्मतिथि 01 दिसम्बर, 1964 से पूर्व की न हो) समुचित संख्या में महिलाओं का भी चयन किया जाये जिससे कि महिला हज आवेदकों को प्रशिक्षण दे सकें। आवेदक के विरूद्ध किसी भी आपराधिक रिकार्ड उपलब्ध होने के स्थिति में उसका चयन नहीं किया जायेगा। गत पांच वर्षों में हज किया होना अनिवार्य है। अंग्रेजी/उर्दू/हिन्दी व स्थानीय भाषा बोलने व समझने में निपुण हो। मानसिक एवं शारीरिक रूप से पूर्णतः स्वस्थ हों। कम्पयूटर की जानकारी रखता हो ताकि हज से सम्बन्धित सूचनाओं का आदान प्रदान, ई-मेल, व्हाटसप आदि सुविधाओं का संचालन एवं यात्रियों से आदान प्रदान भलि-भाति कर सके। हज सुविधा ऐप से पूर्णतः भिज्ञ हो।

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के प्रति हिंसा के विरुद्ध विशाल विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के प्रति हिंसा के विरुद्ध विशाल विरोध प्रदर्शन बांग्लादेश में तख्तापलट की घटना के बाद से हिन्दुओं तथा अन्य अल्पसंख्यकों पर इस्लामिक उभरता दिख रहा है। ऐसे ही शांतिपूर्ण प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे सन्त चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी घोर अन्यायपूर्ण है। बांग्लादेशा में धार्मिक आधार पर हो रहे इस अत्याचार और दमन के विरोध में श्री सनातन धर्म

कट्टरपंथियों द्वारा लगातार अमानवीय अत्याचार हत्या, बलात्कार और आगजनी जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। मन्दिरों पर हमला, पुजारियों की गिरफ्तारी, हत्या और धार्मिक आधार पर अत्याचार के बाद भी बांग्लादेश की सरकार और एजेंसियां लगाम लगाने के स्थान पर मूकदर्शक बनी हुई है। धार्मिक आधार पर अनेक सरकारी अधिकारियों, प्राध्यापकों आदि पर इस्तीफा देने का दबाव भी बनाया जा रहा है। विवशतावश बांग्लादेशी हिन्दुओं और अल्पसंख्यकों द्वारा लोकतांत्रिक रूप से अपनी आवाज उठाने का प्रयास किया गया जिसके बलात दमन का नया दौर रक्षा समिति गौतमबुद्ध नगर के तत्वाधान में आगामी रविवार दिनांक 08.12.2024 को इस्कॉन मंदिर नोएडा के समीप नोएडा हाट, सेक्टर 33, नोएडा में सर्व समाज द्वारा विशाल विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है। इस प्रदर्शन में गौतमबुद्ध नगर का समस्त हिंदू समाज, संत महात्मा लोग उपस्थित रहेंगे तथा जन सामान्य सम्मिलित हो कर सन्त चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई और हिन्दू हितों की रक्षा करने हेतु प्रदर्शन और ज्ञापन के माध्यम से अपनी आवाज उठाने वाले हैं। प्रदर्शन का नेतृत्व महंत आदित्यकृष्ण गिरी अध्यक्ष श्री सनातन धर्म रक्षा समिति करेंगे।

बॉलीवुड/टेली मसाला

रणबीर को बेहद पसंद है आमिर खान की ये फ्लॉप फिल्म, बोले- पहले मुझे लगा कि वो मेरी टांग खीच रहे हैं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आमिर खान ने हाल ही में रणबीर कपूर को लेकर एक दिलचस्प खुलासा किया। आइए जानते हैं। बीबीसी एशिया नेटवर्क से बातचीत के दौरान आमिर ने रणबीर कपूर के बारे में भी खुलासा किया। उन्होंने कहा कि रणबीर को उनकी फिल्म लगान, दंगल, पीके और जो जीता वही सिकंदर। हर फिल्म के साथ एक अलग अनुभव जुड़ा है और सभी का अपना महत्व है।मौजूदा समय

हैं कि एनिमल के अभिनेता को उनकी कौन सी फिल्म बहुत ज्यादा पसंद हैं। आमिर खान अपनी फिल्मों को लेकर हमेशा चर्चा में रहते हैं। हाल ही में उन्होंने साल 1997 में आई अपनी फिल्म इश्क के बारे में कुछ दिलचस्प बातें साझा की। इस फिल्म में अजय देवगन, काजोल और जूही चावला मुख्य भूमिका में थे। आमिर ने कहा कि 'इश्क' उनकी पसंदीदा फिल्मों में से एक नहीं है। हालांकि, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया और दर्शकों को खूब पसंद आई। आमिर ने यह भी कहा कि उन्हें यह महसूस होता है कि उनकी कुछ फिल्में, जिन्हें वे खुद ज्यादा पसंद नहीं करते वो दर्शकों को बहुत आकर्षित करती अव्वल नंबर काफी ज्यादा पसंद है। आमिर ने कहा, मुझे शुरू में लगा कि रणबीर मजाक कर रहे हैं, लेकिन जब उसने फिल्म के हर एक सीन और डायलॉग के बारे में बताया तो मुझे समझ में आया कि वह वाकई इसे बहुत पसंद करते हैं।ठ आमिर के मुताबिक रणबीर ने उन्हें बताया कि वह इसे बचपन में देखकर इस फिल्म के दीवाने हो गए थे और वह इसे अपनी फेवरेट फिल्मों में से एक मानते हैं। जब आमिर से पूछा गया कि उनकी खुद की पसंदीदा फिल्म कौन सी है, तो उन्होंने बताया कि यह एक कठिन सवाल है। उन्होंने कहा, ठमैं कई फिल्मों पर गर्व करता हूं जैसे तारे जमीन पर, 3 इडियट्स, में आमिर अपनी प्रोडक्शन फिल्म लापता लेडीज का जमकर प्रचार कर रहे हैं। इस साल यह फिल्म ऑस्कर के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री बनी है। फिल्म का निर्देशन उनकी पत्नी किरण राव ने किया है और इसे पिछले साल टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर किया गया था।वर्क फ्रंट की बात करें तो लाल सिंह चड्ढा के बाद आमिर खान की एक भी फिल्म अब तक रिलीज नहीं हुई है। वह जल्द ही 'सितारे जमीन पर' नाम की फिल्म में नजर आने वाले हैं। इसमें उनके साथ जेनेलिया डिसूजा भी हैं। फिल्म का निर्देशन आर एस प्रसन्ना ने किया है।

दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में पहुंची दीपिका पादुकोण, स्टेज पर ही गायक को सिखाई कन्नड़ भाषा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दीपिका पादुकोण दिलजीत दोसांझ के बैंगलोर कॉन्सर्ट में पहुंची। इतना ही नहीं उन्होंने स्टेज से दिलजीत को कन्नड़ भाषा बोलनी भी सिखाई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी बेटी की परवरिश में व्यस्त हैं। दीपिका ने इस साल सितंबर में अपनी बेटी दुआ का स्वागत किया। दीपिका ने अपनी प्रेगनेंसी के दौरान भी काम किया था। इन दिनों वे मीडिया से कुछ दूर हैं। हाल ही दीपिका दिलजीत दोसांझ के बैंगलोर कॉन्सर्ट में पहुंचीं। वे इस शो में स्टेज पर पहुंची साथ ही उन्होंने पंजाबी गायक को कन्नड़ की कुछ पंक्तियां भी समझाईं। दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें दिलजीत अपनी आवाज का जादू प्रशंसकों पर चलाते नजर आ रहे हैं। इस बीच दीपिका के स्वागत की बात होती है, इससे उनके प्रशंसक बहुत खुश हो जाते हैं।वायरल वीडियो में दीपिका दिलजीत को कन्नड़ में कुछ

पंक्तियां सिखाती नजर आ रही हैं। दोसांझ के अनुरोध पर, उन्होंने उन्हें 'नानू निनिगे प्रीतिस्टिनी' कहना सिखाया, जिसके तुरंत बाद दर्शक उनका उत्साहवर्धन करने से खुद को रोक नहीं पाए। बता दें कि इस लाइन का अर्थ है- 'मैं तुमसे प्यार करता हूं'। उन्होंने कहा, ठदीपिका पादुकोण, क्या आप यकीन कर सकते हैं दोस्तों? उन्होंने अविश्वसनीय रूप से काम किया है और हमने उन्हें बड़े पर्दे पर देखा है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं उन्हें इतने करीब से देख पाऊंगा। वह बहुत प्यारी हैं और उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत के दम पर बॉलीवुड में अपनी जगह बनाई है। हम सभी को उन पर बहुत गर्व है।दीपिका अपनी बेटी के जन्म के बाद पहली बार किसी शो में नजर आईं हैं। इस शो में दीपिका ने नीली डेनिम पैंट और स्नीकर्स के साथ एक सफेद स्वेटशर्ट पहनी। कॉन्सर्ट के एक अन्य वीडियो में उन्हें पंजाबी गायक के शानदार प्रदर्शन का आनंद लेते हुए दिखाया गया। वह करीना कपूर खान अभिनीत 'क्रू' के गाने चोली के पीछे दिलजीत के वर्जन पर भी थिरकती नजर आईं।

रजत दलाल के खिलाफ दर्ज है किडनैपिंग का मामला, बोले- 'मैं इंसान हूं, कोई मूर्ति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बिग बॉस 18 में घर वाले सवालों के घेरे में आ गए। रजत दलाल पर भी घर के बाहर लगे आरोपों को सवालों के लिए बुलाया गया। इस दौरान कन्फेशन रूम में करणवीर मेहरा और चाहत मौजूद थे। रजत दलाल पर लगे आरोपों के बारे में सौरभ के चला जाएगा, देखों मैं इंसान हूं मूर्ति तो हूं नहीं। जो छेड़ेगा उसे समझना तो पड़ेगा। फराह खान ने किए तजिंदर बग्गा से सवाल इस बीच फराह खान

लेकर सवाल किए गए। रजत ने इस पर अपना पक्ष रखा है। बिग बॉस 18 में इन दिनों घरवालों से निर्देशक और पत्रकार निजी तौर पर बातचीत कर हैं। इस दौरान पत्रकार सौरभ द्विवेदी से बातचीत में रजत दलाल के निजी जीवन को लेकर कुछ बेहद चौंकाने वाले खुलासे हुए। रजत दलाल ने कहा कि वे परिवार के साथ रहते हैं। ऐसे में कहते हैं कि जवानी जब थोड़ी हवा लेती है, तो इंसान हवा में चला जाता है। बिग बॉस 18 में घर के सदस्य रजत दलाल को द्विवेदी ने सवाल किए। इस पर रजत भी अपना पक्ष रखते नजर आए। रजत दलाल से सवाल किया कि उन पर धारा 365 का मुकदमा किया गया। इस पर रजत दलाल ने कहा कि उनके पास क्या वजह थी किसी को किडनेप करने की। उन्होंने कहा कि न मैंने पैसे मांगे न मैंने कोई और धमकी दी। ऐसे में रजत दलाल ने कहा कि उनका वीडियो बनाया। रजत ने कहा जब कोई आपका नाम खराब करता है तो अच्छे से ही करता है। रजत ने कहा कि वे ढोलक नहीं हैं, जो बजा को लेकर भी प्रोमो वीडियो जारी किया गया है। इसमें फराह खान तजिंदर बग्गा की क्लास लगाती नजर आ रही हैं। फराह खान ने कहा, बग्गा जी आज होगी फराह की अदालत। करणवीर के मामा पीएमओ में बाथरूम साफ करते होंगे। ये सही कमेंट है कि नहीं ये बताइए। फराह खान ने ईशा सिंह का नाम लेते हुए कहा, अगर ईशा ये कमेंट करण ने आप लोगों में से किसी के लिए भी बोला होता न तो पूरा घर नीचे आ गया होता।

आमिर खान की बेटी आयरा खान ने इसलिए नहीं चुना अभिनय का करियर, मानसिक रोगियों के लिए करती हैं काम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आमिर खान की बेटी आयरा खान ने अभिनय में करियर न बनाने को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि वे इस क्षेत्र में क्यों नहीं आना चाहतीं हैं।आमिर है।ठ आयरा ने कहा कि उनके अनुसार अभिनेता बनना आसान या मजेदार नहीं है। इस सेशन में आयरा ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य रोगियों के साथ काम करना कैसा लगता है क्या उन्हें भी

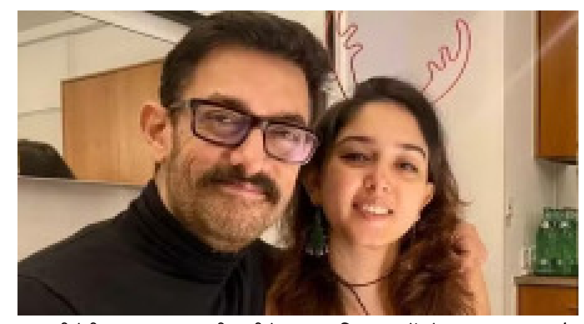

खान की बेटी आयरा खान अपनी शादी के बाद से काफी चर्चा में हैं। आयरा ने अब अपने करियर को लेकर बात की है। रेडिट पर 'आस्क मी एनी थिंड' सेशन में आयरा ने बताया कि वे फिल्म में कभी आना ही नहीं चाहती थीं। आयरा खान ने अपने और अपने गैर-लाभकारी मानसिक स्वास्थ्य संगठन के बारे में जवाब दिए। साथ ही बताया कि उन्होंने अभिनय को करियर के रूप में क्यों नहीं चुना आमिर खान की बेटी ने कहा, ठक्योंकि जब आप छोटे होते हैं और कोई आपसे कहता है 'आपको अभिनेता बनना चाहिए, न?', तो आप कुछ भी करना चाहते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है, इसलिए साबित करें कि आप कूल हैं और किसी ऐसे व्यक्ति के पास नहीं जा रहे हैं जो अभिनेता बनना चाहता मानसिक कष्टों से गुजरना पड़ता है। इस पर आयरा ने जवाब दिया, रोगियों के साथ काम करना बेहद फायदेमंद है। आयरा ने कहा, 'रोगियों के साथ काम करना बेहद फायदेमंद है। यह एक बड़ी जिम्मेदारी भी है।' आमिर खान और आयरा अक्सर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के बारे में बात करते रहते हैं। इस बारे में जागरूकता फैलाने के लिए करते रहे हैं। आमिर खान ने कहा, वह अपने रिश्ते को बेहतर बनाने के लिए अपनी बेटी के साथ संयुक्त थेरेपी सत्र ले रहे हैं। आमिर ने बताया कि यह उनकी बेटी ही थी जिसने उन्हें ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया और वह अपने जीवन में इसके सकारात्मक प्रभाव देख सकते हैं।

अमेरिकाज गॉट टैलेंट' के कॉमेडियन कबीर 'कबीजी' सिंह का निधन, 39 साल की उम्र में ली अंतिम सांस निधन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कॉमेडियन कबीर 'कबीजी' सिंह का 39 साल की उम्र में निधन हो गया। 'अमेरिकाज गॉट

टैलेंट' के सेमी-फाइनल तक पहुंचकर उन्होंने अपनी पहचान बनाई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनका निधन सैन फ्रांसिस्को में हुआ। कॉमेडियन कबीर 'कबीजी' सिंह का 39 साल की उम्र में निधन हो गया। 'अमेरिकाज गॉट टैलेंट' के सेमी-फाइनल तक पहुंचकर उन्होंने अपनी पहचान बनाई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनका निधन सैन फ्रांसिस्को में हुआ। हालांकि, उनकी मौत का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन बताया जा रहा है कि वह कुछ स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। टीएमजेड के अनुसार मौत के कारणों की पुष्टि के लिए एक टॉक्सिकोलॉजी रिपोर्ट की जा रही है। पीपल की रिपोर्ट के मुताबिक कबीर सिंह की मंगेतर ने कहा कि उनका निधन 4 दिसंबर को निधन हो गया था। 5 दिसंबर को कबीर के दोस्त जेरमी करी ने फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि कबीर ठशांतिपूर्वक अपनी नींद में गुजर गएठ। जेरमी ने लिखा, ठयह मेरे लिए सबसे दुखद पोस्ट है, जिसे मैं आज लिख रहा हू कबीर सिंह का निधन हो गया है... वह शांतिपूर्वक अपनी नींद में चले बसे।

भंवर सिंह शेखावत को हाशिये पर धकेले जाने से फहद फासिल खफा, आगे कोई तेलुगु फिल्म न करने का फैसला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अभिनेता फहद फासिल ने 'पुष्पा 2' में उनके किरदार के साथ नाइंसाफी होने के बाद कोई भी तेलुगु फिल्म ना करने का फैसला किया नहीं बल्कि फिल्म का काम पूरा करने के लिए किया गया। फिल्म में फहद फासिल के दृश्यों की शूटिंग ही तब तक नहीं हो पाई थी। फहद फासिल को ये वादा किया गया था कि फिल्म 2' के नाम से मशहूर हो चुकी अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के साथ दिखने वाले हैं। हाल ही में रिलीज उनकी फिल्म 'आवेशम' ने मलयालम सिनेमा में जबर्दस्त कारोबार किया है।

है। वह निर्देशक सुकुमार के काम से काफी नाराज हैं। फहद के प्रशंसकों के लिए यह काफी चौंकाने वाली खबर है। करीब 500 करोड़ रुपये की लागत से बनी फिल्म 'पुष्पा 2' ने उम्मीदों के मुताबिक ही रिलीज के पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए झंडे गाड़ दिए हैं। फिल्म के सारे संस्करणों ने मिलकर तो नए रिकॉर्ड बनाए ही हैं। हिंदी में रिलीज किसी फिल्म की सबसे बड़ी ओपनिंग का रिकॉर्ड भी 'पुष्पा 2' के नाम है। लेकिन, फिल्म के हीरो अल्लू अर्जुन की इस कामयाबी में इसके विलेन फहद फासिल शामिल नहीं हैं। उल्टे वह तो इस फिल्म से इतना चिढ़े हुए बताए जाते हैं कि निकट भविष्य में कोई भी तेलुगु फिल्म न करने की बात अपने करीबी लोगों से कह चुके हैं।फिल्म 'पुष्पा 2' को पहले इस साल 15 अगस्त को रिलीज होना था। फिल्म 'सिंघम अगेन' भी इसी दिन रिलीज होनी थी सो 'पुष्पा 2' के निर्माताओं ने इसकी रिलीज इस दिन से टाल दी। बाद में पता चला कि ऐसा 'सिंघम अगेन' से टकराव बचाने के लिए 'पुष्पा पार्ट वन' में उनका किरदार सिर्फ बिल्डअप किया जा रहा है, असल टक्कर उनकी अल्लू अर्जुन से 'पुष्पा पार्ट 2' में होगीइसी भरोसे फहद फासिल ने ये फिल्म की भी। लेकिन फिल्म 'पुष्पा 2' देख चुके लोग भी समझ रहे हैं कि इस फिल्म में मलयालम सिनेमा के इस सुपरस्टार के साथ खेल हो गया। फहद की मौजूदगी के चलते ही रिलीज के पहले दिन फिल्म के मलयालम संस्करण ने करीब पांच करोड़ रुपये भी कमा लिए लेकिन फहद के प्रशंसकों को फिल्म में उनके किरदार का ग्राफ बिल्कुल पसंद नहीं आया। फिल्म में फहद और अल्लू अर्जुन के आमने सामने के सीन गिनती के हैं और तमाम सीन फिल्म में ऐसे हैं जिनमें साफ समझ आता है कि दोनों कलाकारों के शॉट्स अलग अलग लिए गए हैं। ऐसे एक सीन को सुकुमार ने बड़ी चतुराई से माइम एक्टिंग में भी बदल दिया है।फिल्म 'पुष्पा 2' की रिलीज से ठीक पहले फहद ने अपनी पहली हिंदी फिल्म भी साइन की है। निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म में वह 'भाभी नंबर ओटीटी तक आ चुकी उनकी फिल्म 'बोगनविलिया' को भी बताते हैं कि बहुत कमाल के व्यूज मिल रहे हैं। ऐसे में फिल्म 'पुष्पा 2' में जसि तरह उनके कद के कलाकार का किरदार सीमित किया गया और जिस तरह से इस किरदार को कहानी से मक्खी की तरह निकाल फेंका गया, उससे फहद फासिल काफी नाराज बताए जाते हैं फहद फासिल के करीबी सूत्र बताते हैं कि फिल्म 'पुष्पा 2' की रिपोर्ट्स में फहद फासिल के काम की सबसे कम प्रशंसा हुई है। माना जा रहा है कि न सिर्फ ये उनके साथ किया गया एक क्रूर मजाक है बल्कि उनकी तारीखों को भी इस फिल्म के चक्कर में अनावश्यक रूप से बर्बाद किया गया। सुनने में ये भी आया है कि इस फिल्म के सेट पर कई बार फहद फासिल को यूं ही खाली बैठे रहना पड़ा और निर्देशक सुकुमार ने पूरे पूरे दिन उनका एक भी शॉट नहीं लिया। बताते हैं कि इसी सब के चलते फहद फासिल ने निकट भविष्य में अब कोई भी नई तेलुगु फिल्म न करने का फैसला किया है।

राशिफल

मेष-:स्वास्थ्य संबंधी समस्या निकट है, इसलिए नियमित व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करें और विश्वास करें कि इलाज से पहले सावधानी बरतना बेहतर है।

वृष- सप्ताह आपके लिए मंगलमय रहेगा। आपके रचनात्मक कार्यों में नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी। आप अपने मन के अनुसार निर्णय लेंगे।

मिथुन-: भावनात्मक रहेगा. आप खुद को अपनी अंतरतम भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति में भी पा सकते हैं। घरेलू काम थकाने वाले होंगे।

कर्क-:जीवनसाथी का प्यारा व्यवहार आपका दिन खुशनुमा बना सकता है. अपने ख़र्चों पर नियंत्रण रखें से ख़र्च करने से बचें। भावनात्मक रूप से जोखिम उठाना आपके पक्ष में जाएगा।

सिंह-: आप जिस काम को पूरा करना चाहते हैं वह आसानी से पूरा हो जाएगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण होने पर बधाई देने के लिए लोगों का आना-जाना रहेगा।

कन्या-: आप सभी परेशानियों और चिंताओं को पीछे छोड़कर अपने परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहेंगे आपका जाता हुआ दिखाई देगा जिसके बारे में आपने सोचा भी नहीं होगा।

तुला-:किसी मित्र की उदासीनता आपको परेशान करेगी. लेकिन अपने आप को शांत रखें। इसे समस्या न बनने दें और इससे बचने की कोशिश करें।

वृश्चिक-: भाग्य आपका पूरा साथ देगा। जिन चीजों के लिए आप लंबे समय से प्रयास कर रहे थे, वो पूरी होने वाली हैं। जो प्रयास आपने अपनी ओर से व्यर्थ समझे थे।

धनु-: भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर रुझान बढ़ेगा. जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद रहेंगे। आत्मबल में वृद्धि होगी। पारिवारिक समस्याओं से विचलित हो सकता है।

मकर-:खुद पर हद से ज्यादा दबाव न डालें और पर्याप्त आराम करें. रियल एस्टेट से जुड़े निवेश आपको अच्छा मुनाफा देंगे। आपका अडियल रवैया घर में लोगों का दिल दुखा सकता है।

कुंभ-: आपका झुकाव अध्यात्म की ओर रहेगा, मंदिर जाने या कोई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना सकते हैं. आज आपको खुशी पाने के लिए अपने स्वभाव में थोड़ा लाने की जरूरत है।

मीन-: आपको कार्यक्षेत्र में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी. परिवार और जीवन साथी का सहयोग मिलने की संभावना है। हालांकि छात्रों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़

30वें फिल्म महोत्सव में विद्या बालन फिल्मकारों को याद कर भावुक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लंबे फिल्मी करियर कई यादगार किरदारों को जीवंत कर चुकीं विद्या बालन आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवाया है। हालांकि, इन सबके बावजूद बंगाल से विद्या का खास रिश्ता है। 30वें कोलकाता अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (ख्इइ) में खुद विद्या ने इस रिश्ते पर बात की। दक्षिण भारतीय परिवार में जन्मी विद्या बालन, को जब शुक्रवार को कोलकाता निवासियों ने देखा तो एक बारगी तो वे भूल ही गए कि वह बंगाली नहीं हैं। उन्होंने जिस तरह से साड़ी पहन रखी थी, उनका व्यक्तित्व बिल्कुल एक बंगाली महिला जैसा लग रहा था। उनकी बोली में भी बांग्ला भाषा की मिठास झलक रही थी। 30वें कोलकाता अंतरराष्ट्री फिल्म महोत्सव (ख्इइ) में वे संगीता दास के साथ विशेष सत्र में बातचीत कर रही थीं। जैसे-जैसे बातचीत आगे बढ़ती गई, उनके फिल्मी जीवन की कठिनाइयों और चुनतियों को से धीरे-धीरे पर्दा उठने लगा। जैसे-जैसे बातचीत आगे बढ़ी, उन फिल्मकारों को याद कर भावुक हुईं, जिन्होंने उनका साथ तब दिया, जब कुछ ने वायदे कर, वायदा नहीं निभाया था। खास कर गौतम हलदार, जिन्हें प्यार से गौतम दा कहते थे, को याद कर वे रूआंसी हो गईं।

सम्पादकीय

पूर्वी पाकिस्तान बनता बांग्लादेश भारत को रहना होगा अलर्ट

शेख हसीना सरकार के खूनी तख्तापलट के बाद से ही बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले जारी हैं। वहां से हिंदू कर्मचारियों के जबरन इस्तीफे लेने, उनकी जमीनों पर कब्जे, मकानों को जलाए जाने, मंदिर और मूर्तियों को तोड़े जाने एवं महिलाओं से दुष्कर्म के समाचार लगातार आ रहे हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार और विश्व के बड़े मीडिया प्रतिष्ठान मुख्यतः इन हमलों की अनदेखी करते रहे, परंतु एक हिंदू संगठन के प्रमुख और इस्कान धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोगों को बांग्लादेश में हो रहे हिंदू दमन का संज्ञान लेने पर विवश किया है। चिन्मय और अन्य हिंदू नेताओं पर आरोप है कि उनकी चटगांव जनसभा में इस्कान का ध्वज बांग्लादेश के झंडे के ऊपर फहरा कर राजद्रोह किया गया। जिस आधार पर उनकी गिरफ्तारियां हुई हैं, उस आधार पर फुटबाल स्टेडियम में बैठे हर उस दर्शक को गिरफ्तार किया जा सकता है, जिसके पसंदीदा क्लब का झंडा बांग्लादेशी झंडे से ऊपर दिख जाए। जिस दंड संहिता 121 और 124 के अंतर्गत राजद्रोह का मुकदमा कायम हुआ है, उसमें कार्रवाई के लिए गृह मंत्रालय की अनुमति आवश्यक है, परंतु ढाका पुलिस ने सीधे गिरफ्तारी कर ली।यह बांग्लादेश शासन और वहां की पुलिस की धृष्टता ही है कि वह सैकड़ों मंदिरों पर हो रहे हमलों, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे जघन्य अपराधों पर तो पूरी तरह निष्क्रिय है, लेकिन गृह मंत्रालय के आदेश पर 15 जुलाई से 8 अगस्त के बीच 'प्रदर्शनकारियों' पर दायर सभी मुकदमे वापस ले चुकी है। बांग्लादेशी पुलिस नितांत फर्जी मुकदमे में हिंदुओं की पकड़-धकड़ कर रही है।ध्यान देने वाली बात यह भी है कि बांग्लादेश नेशनल पार्टी के जिस नेता फिरोज खान की शिकायत पर हिंदू धर्मगुरु की गिरफ्तारी हुई, उसे बीएनपी ने इस बेहूदा शिकायत के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया है। स्पष्ट है कि मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार हिंदू धर्मगुरु को हिंदू हितों की रक्षार्थ किए गए साहस के लिए सबक सिखाना चाहती है।यह भी साफ है कि अंतरिम सरकार यह चाहती है कि हिंदू स्वयं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ सड़कों पर न उतरें। चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी की अंतरराष्ट्रीय आलोचना के बावजूद अन्य लोगों के अलावा दो और इस्कान संतों को गिरफ्तारी किया गया। इस्कान के कई बैंक खाते भी सीज किए गए हैं। उससे जुड़े संतों को भारत आने से रोका जा रहा है।चिन्मय के वकील रमन राय पर जानलेवा हमले से खौफजदा कोई भी वकील उनकी पैरोकारी के लिए आगे नहीं आ रहा है। दरअसल चटगांव की 25 अक्टूबर की ऐतिहासिक हिंदू रैली से इस्लामी कट्टरपंथी और यूनुस सरकार बौखलाई हुई है और वह किसी भी तरह हिंदू नेतृत्व को कुचलना चाहती है। बांग्लादेश में चार-पांच माह से जारी हिंसा इस मायने में अलग है कि इसे नकारने, छिपाने या कम करके पेश करने की मुहिम चलाई जा रही है।इसी के अंतर्गत वायस आफ अमेरिका रेडियो चैनल द्वारा एक सर्वे कराकर बांग्लादेशियों से पूछा गया कि क्या अंतरिम सरकार में अल्पसंख्यक सुरक्षित हैं? यह सर्वे कितना फर्जी था, इसे इससे समझा जा सकता है कि मात्र 1000 व्यक्तियों के इस सर्वे में 927 उत्तरदाता मुसलमान थे। सर्वे में 64.1 प्रतिशत लोगों ने अंतरिम सरकार में अल्पसंख्यकों की स्थिति को शेख हसीना शासन से बेहतर बताया। इस फर्जी सर्वे के नतीजों को बांग्लादेशी और विदेशी मीडिया ने तथ्यों की तरह पेश किया।हिंदू बुद्धिस्ट क्रिश्चियन काउंसिल के अनुसार तख्तापलट के पहले माह में ही अल्पसंख्यकों पर 2010 हमले हुए। बांग्लादेश के सबसे बड़े समाचार पत्र 'प्रोथोम आलो' ने अपने संवाददाताओं से कराई पड़ताल में 5 और 20 अगस्त के बीच 49 जिलों में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर 1068 हमलों की पुष्टि की। इन हमलों में नौ हिंदू मारे गए थे।इस समाचार पत्र के संवाददाता इनमें से 546 हमलों के स्वयं साक्षी रहे। बांग्लादेश पुलिस न सिर्फ हिंदू विरोधी हिंसा रोक पाने में पूरी तरह विफल है, बल्कि उसने हिंदुओं को ही निशाना बनाया हुआ है। चटगांव के हजारी लेन, रंगपुर में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हिंदुओं पर बर्बर लाठीचार्ज इसका उदाहरण है। खुलना में पुलिस 18 वर्षीय उत्सव मंडल को पहले ईशनिंदा के आरोप में पकड़ कर थाने लाई और फिर उस पर भीड़ को हमला करने दिया।अल्पसंख्यकों की इच्छा के विरुद्ध बने पश्चिमी और पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) में यदि अल्पसंख्यक खतरे में आते हैं तो उनकी रक्षा की नैतिक जिम्मेदारी भारत की ही बनती है। बांग्लादेश के संबंध में तो भारत की भूमिका और अहम हो जाती है, क्योंकि उसके निर्माण में उसका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। चूंकि वहां जब भी हिंदुओं पर हमले शुरू होते हैं, तब शरणार्थियों के जत्थे भारत की तरफ आते हैं, इसलिए भी अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों को बांग्लादेश का आंतरिक मामला कहकर पल्ला नहीं झाड़ा जा सकता। हालांकि भारत सरकार ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से अल्पसंख्यकों की जान-माल की रक्षा करने की अपील की है, परंतु यह पर्याप्त नहीं। जब बांग्लादेश का शासकीय तंत्र फिर से पूर्वी पाकिस्तान बनने की ओर चल पड़ा है, तब भारत को भी अपने रिश्तों का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए। यदि भारत यह सोचता है कि डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद कूटनीतिक प्रयासों द्वारा वह बांग्लादेश पर दबाव बनाएगा तो तब तक देर हो सकती है। अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए भारत बांग्लादेश में संयुक्त फोर्स की तैनाती का दबाव बना सकता है। ऐसी मिसाल अफ्रीका में देखने को मिलती है, जहां अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए कुछ देशों में संयुक्त फोर्स की तैनाती की गई है। समय आ गया है कि बांग्लादेश के भीतर ही अल्पसंख्यकों के लिए स्वायत्तशासी क्षेत्रों के निर्माण के लिए जोर दिया जाए। अपनी भौगोलिक स्थिति के चलते बांग्लादेश बहुत सी आवश्यक वस्तुओं के लिए भारत पर निर्भर है। भारत को आर्थिक प्रतिबंध और व्यापारिक अवरोध समेत सैन्य हस्तक्षेप का विकल्प भी खुला रखना चाहिए। भारत को इस मानसिकता से बाहर निकलना होगा कि विषम से विषम स्थिति में भी वह सिर्फ कूटनीतिक या अंतरराष्ट्रीय दबाव का ही सहारा ले सकता है। भारत को यह देखना होगा कि वह इसके इतर क्या कर सकता है।

आसान नहीं घटती आबादी को बढ़ाना, भारत में जनसंख्या वृद्धि घटने के प्रति सचेत होना होगा

हाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने परिवार के महत्व पर जोर देते हुए भारत में जनसंख्या वृद्धि घटने के प्रति सचेत किया। उन्होंने कहा कि

अगर भारत की कुल प्रजनन दर (टीएफआर) 2.1 प्रतिशत के नीचे चली गई तो किसी और को समाज को बर्बाद करने की जरूरत नहीं, वह अपने आप ही नष्ट हो जाएगा। इसलिए प्रत्येक दंपती को कम से कम तीन बच्चे पैदा करना जरूरी है। इसके पहले आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री अपने राज्यों की घटती आबादी पर चिंता जता चुके हैं। इस समय भारत आबादी के मामले में दुनिया में पहले नंबर पर है। अर्से से यहां आबादी कम करने के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं, जिसे मध्य वर्ग ने काफी हद तक अपनाया भी। अब तो हमारे यहां डिंक यानी डबल इनकम ग्रुप के परिवारों में एक बच्चे का चलन चल पड़ा है। इसके अलावा कुछ युवा ऐसे भी हैं, जो बच्चे चाहते ही नहीं, क्योंकि वे बच्चे पालने को एक मुसीबत और बड़ी जिम्मेदारी के रूप में देखते हैं। उनका कहना है कि वे जिंदगी का आनंद लेना चाहते हैं और बच्चे इसमें रुकावट हैं। कम होती आबादी दुनिया के कई देशों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। हो सकता है कि भागवत जी ने जापान, दक्षिण कोरिया आदि देशों की आबादी संबंधी चिंताओं को देखते हुए अपना बयान दिया हो। दक्षिण कोरिया में इस सदी के अंत तक जनसंख्या पांच करोड़ बीस लाख से घटकर एक करोड़ सात लाख रहने का अंदेशा जताया जा रहा है। यह स्थिति न आए, इसके लिए दक्षिण कोरिया सरकार अपने लोगों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए तरह-तरह के प्रलोभन-प्रोत्साहन दे रही है। वहां पुरुषों के लिए सैन्य प्रशिक्षण लेना अनिवार्य है, लेकिन तीन या उनसे अधिक बच्चे वालों को इससे छूट दी जा रही है। महिलाओं के लिए भी तरह-तरह की घोषणाएं की जा रही हैं, मगर वे इस बारे में सुनने को तैयार नहीं। दक्षिण कोरिया पहला ऐसा देश है जहां 2018 में महिलाओं ने 4बी नामक एक आंदोलन शुरू किया था। इसे शुरू करने वाली स्त्रियों का कहना था कि वे पुरुषों से किसी तरह का संबंध नहीं रखना चाहतीं। उनके साथ न तो डेटिंग पर जाना चाहती हैं, न लिव-इन में रहना चाहती हैं, न शादी करना चाहती हैं और न ही बच्चे पैदा करना चाहती हैं। अब तो अमेरिका में भी यह आंदोलन जा पहुंचा है। चीन और जापान की सरकारें भी अपने यहां बढ़ती बुजुर्ग आबादी और घटती प्रजनन दर को लेकर परेशान हैं। चीन में तो कुछ दिनों पहले घोषणा की गई थी कि डेटिंग पर जाने वाले लोगों को सरकार विशेष छुट्टियां देगी। चीन में किसी जमाने में एक बच्चा नीति थी, जिसे बहुत कठोरता से लागू किया गया। अब वही चीन सरकार चाहती है कि लोग तीन बच्चे पैदा करें। भारत में भी आपातकाल के दिनों में हम दो-हमारे दो का नारा चलाया गया, जो तब ज्यादा सफल नहीं हुआ, लेकिन बाद में मध्यवर्ग ने इसे अपना लिया। आज कोई भी देश अपनी छवि बुजुर्गों के आधार पर नहीं बनाना चाहता, क्योंकि उनकी नजर में बुजुर्गों का मतलब कमजोरी है। इसलिए उन्हें नई पीढ़ी चाहिए। भारत में भी बुजुर्गों की आबादी दस करोड़ से अधिक है। हमारे यहां एक नेता कह भी चुके हैं कि बुजुर्गों पर देश के बहुत संसाधन खर्च होते हैं ऐसे में यदि नई पीढ़ी नहीं आई तो देश का भविष्य चौपट समझें। चिकित्सा विज्ञान की नई खोजों और दवाओं तथा उनकी उपलब्धता ने लोगों की उम्र लंबी की है। इसे अच्छी बात मानने के बजाय कोसना ठीक नहीं है। कोई सरकार चाहे तो बुजुर्गों को किसी रचनात्मक काम में लगा सकती है। उनके अनुभवों का लाभ उठा सकती है। कोई काम मिलने पर उन्हें न तो वक्त कटने की समस्या होगी, न अकेलापन महसूस होगा, कुछ आय भी होगी। करोड़ों लोग बुजुर्ग होने के कारण हाथ पर हाथ धरे क्यों बैठे रहें, जबकि वे काम करना चाहते हैं दुनिया में आबादी कम होने का एक बड़ा कारण महिलाओं की बढ़ी हुई निर्णायक शक्ति है। आज स्त्री विमर्श ने महिलाओं को बताया है कि मां बनने से ज्यादा जरूरी है, आत्मनिर्भरता। यानी उनके हाथ में पैसे आएं और उनकी क्रय शक्ति बढ़े। अपने शरीर की मालकिन वे खुद बनें। वे चाहें तो परिवार बसाएं, मां बनें, न चाहें तो ऐसा न करें। इन दिनों बड़ी संख्या में महिलाएं आत्मनिर्भर हैं या उस ओर बढ़ रही हैं। उनका कहना है कि वे अधिक बच्चों को कैसे पालेंगी? रात-दिन बढ़ती महंगाई के दौर में जरूरी संसाधन भी कैसे जुटाएंगी? इसी वजह से सरकारों की तरफ से दिया जाने वाला कोई भी लालीपाप उन्हें नहीं भा रहा। वे कह रही हैं कि उस सोच के दिन अब गए, जिसमें मां बनने को प्राथमिकता दी जाती थी और उसे वरदान के रूप में देखा जाता था। उनका मानना है कि वे पहले ही घर-आफिस के बीच सैंडविच बनी रहती हैं। क्या नेता उनके परिवार की देखभाल करेंगे और बच्चे पालेंगे? यह कहने में कोई संकोच नहीं कि अब संयुक्त परिवार का जमाना भी नहीं रहा कि बच्चे आसानी से पल जाएं। ऐसे में सवाल यही है कि आखिर कोई नेता तीन बच्चे पैदा करने के लिए स्त्रियों को कैसे तैयार करेगा? यदि वे तीन बच्चे पैदा करेंगी तो क्या आत्मनिर्भर बनी रहेंगी? जो भी हो, यह दिलचस्प है कि पहले जो लोग जनसंख्या नियंत्रण की बात सुनते ही लाल-पीले हो जाते थे और उसे सेक्युलरिज्म और मानव अधिकारों के खिलाफ बताते थे, धार्मिक मसलों से जोड़ते थे, वे अब इसके पक्ष में बोलने लगे हैं।

सुस्त विकास दर और महंगाई की चुनौती, ब्याज दरें घटाने के विकल्पों पर देना होगा ध्यान

बीते दिनों आए चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के मोर्चे पर सुस्ती के आंकड़ों ने हैरान करने का काम किया। इस दौरान जीडीपी में कमी के आसार तो लग रहे थे, लेकिन उसमें इतनी गिरावट व्यापक अनुमानों के उलट ही रही है। इस परिदृश्य से प्रभावित हुए बिना भारतीय रिजर्व बैंक याना आरबीआई ने शुक्रवार को अपनी मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत ब्याज दरों को जिस प्रकार यथावत रखा है उससे यही संकेत मिलते हैं कि विकास की परवाह करने के साथ ही महंगाई को काबू में रखना रिजर्व बैंक की सबसे बड़ी प्राथमिकता बनी हुई है। साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अपना अनुमान भी घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। इसके पीछे एक वजह तो चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था का कमजोर प्रदर्शन ही है, जिससे आर्थिकी के लिए तीसरी एवं चौथी तिमाही में भी उतनी भरपाई की उम्मीद नहीं कि वह पूर्वानुमानों के अनुरूप गति पकड़ सके दूसरी तिमाही के दौरान अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन की बात करें तो जीडीपी की 5.4 प्रतिशत की वृद्धि ने चौंकाने का काम किया। जीडीपी की यह तस्वीर आरबीआई, बाजार का आकलन करने वाले विश्लेषकों से लेकर बाजार में सक्रिय तत्वों के अनुमानों से भी उलट रही। अर्थव्यवस्था की गति धीमी पड़ने के संकेत तो पहले से ही दिखने लगे थे, लेकिन 5.4 प्रतिशत की वृद्धि कई संकेत देने वाली है। यह अर्थव्यवस्था में स्थायित्व को भी रेखांकित करती है। इस धीमेपन की कारणों की पड़ताल की जाए तो नीतिगत ब्याज दरों को 21 महीने से यथावत बनाए रखने वाला आरबीआई का रुख भी इसके लिए एक हद तक जिम्मेदार है। इसे लेकर कई स्तरों पर आवाज उठती रहती है। औद्योगिक गतिविधियों को

गति देने के लिए ब्याज दरों में कमी की आवश्यकता को लेकर बहस लंबे समय से जारी है। हालांकि ब्याज दरों को लेकर आरबीआई के अपने तर्क हैं और चूंकि यह उसका ही विशेषाधिकार हैं तो परिस्थितियों का समग्र आकलन करने के बाद वही अंतिम निर्णय करता है। घाटे पर नियंत्रण करने के लिए सरकारी मितव्ययिता भी वृद्धि की गति को प्रभावित कर रही है। सरकारी खर्च में कमी से भी आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ रहा है। चुनावी आचार संहिता की वजह से कई परियोजनाओं का काम चुनाव निपटने के बाद भी परवान नहीं चढ़ पाया। मौसमी परिघटनाओं ने भी जहां खनन गतिविधियों को अवरुद्ध रखा तो बेहतर बारिश की वजह से बिजली की मांग सीमित रही। दूसरी तिमाही में खनन और विद्युत क्षेत्रों में गिरावट इसकी पुष्टि करती है। वैश्विक अस्थिरता और अन्य कारणों से निर्यात भी संकुचित हुए, जिनका असर समस्त उत्पादन शृंखला पर देखने को मिला। इस बीच, कई रुझानों के आधार पर यही लगता है कि दूसरी छमाही में अर्थव्यवस्था फिर से गति पकड़ेगी। रबी की फसल में उत्पादन भी बेहतर होने की उम्मीद है तो सरकारी खर्च में बढ़ोतरी से आर्थिक गतिविधियां भी गति पकड़ती हुई दिखाई देंगी। इसीलिए, हमने चालू वित्त वर्ष के लिए 6.8 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान को अभी तक संशोधित नहीं किया है। हालांकि, अद्यतन आंकड़ों के बाद इस अनुमान को लेकर कुछ स्पष्ट रूप से कहा जा सकेगा। पिछले कुछ समय से वैश्विक अस्थिरता एवं भू-राजनीतिक तनाव ने दुनिया भर में आर्थिक समीकरण बिगाड़ने का काम किया है। हाल में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद शांति एवं स्थिरता की उम्मीद बढ़ी है। आशा है कि जनवरी में उनके कार्यकाल संभालने के बाद पश्चिम एशिया में कायम तनाव शांत होगा तो रूस-यूक्रेन युद्ध यदि तत्काल नहीं रुका तो वह और नहीं भड़केगा। कोविड महामारी के बाद से ही ऐसे झटकों से जूझ रही दुनिया के लिए यह बहुत बड़ी राहत होगी। हालांकि ट्रंप के आने से एक नए किस्म के टैरिफ युद्ध की आशंका बढ़ रही है। माना जा रहा है कि वह आयात अधिशेष वाले देशों के साथ सख्ती से निपटेंगे। वैसे तो उस सूची में भारत भी है, लेकिन ट्रंप का निशाना मुख्य रूप से चीन पर होगा। यदि वह कुछ आक्रामक रुख अपनाते हैं तो पहले से ही दबाव झेल रहे निर्यात की डगर और कठिन होती जाएगी। चीन पर भी उनकी सख्ती वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर डालेगी। तात्कालिक तौर पर यह भारत के लिए कुछ लाभदायक भी हो सकता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि भारतीय उत्पादन शृंखला एक बड़ी हद तक चीनी इनपुट्स पर आश्रित है तो संभावित अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते चीनी उत्पाद और सस्ते में उपलब्ध हो सकते हैं, जिससे मैन्यूफैक्चरिंग किफायती होगी। चूंकि चीनी अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से निर्यात पर केंद्रित है और यदि अमेरिका उसके उत्पादों के लिए लाल झंडी दिखाता है तो उसे अन्य बाजारों में अपने उत्पाद खपाने ही होंगे। भारत के दृष्टिकोण से यह भी सकारात्मक दिखता है कि शांति एवं स्थायित्व के दौर में कच्चे तेल की कीमतें और घट सकती हैं। चीन द्वारा बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रिक व्हीकल्स यानी ईवी की ओर संक्रमण से भी कच्चे तेल की वैश्विक मांग में कमी आएगी। इसके चलते भी तेल उत्पादकों के समक्ष अपने उत्पाद खपाने की चुनौती बढ़ेगी। महंगाई के मुद्दे की बात करें तो यह अभी भी आरबीआई के सहजता वाले 4 प्रतिशत के दायरे से बाहर है। वैसे तो तमाम उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें अपेक्षाकृत नियंत्रित दायरे में हैं, लेकिन सब्जियों एवं फलों की कीमतों ने महंगाई को हवा दे रखी है। पिछले वर्ष भी सर्दियों में फल-सब्जियों के दाम ऊंचे ही रहे थे और अभी भी ऊंचे बने हुए हैं। हालांकि इस बार सर्दियों में दाम कुछ नरम होने की उम्मीद है। इन्हीं पहलुओं को देखते हुए आरबीआई अभी भी ब्याज दरें घटाने को लेकर संकोच कर रहा है, क्योंकि वह नहीं चाहता कि किसी भी प्रकार की मौद्रिक नरमी से स्थितियां हाथ से निकलें।

आरक्षण में सेंधमारी न होने पाए, मतांतरण कराने वालों के चंगुल से रहना होगा सावधान

बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस उचित अवसर है कि हम भारतीय संविधान के शिल्पकार के मूल्यों एवं शिक्षाओं को आत्मसात कर एक प्रबुद्ध नागरिक के रूप में उस राह पर चलने की प्रतिबद्धता का संकल्प लें। ऐसे ही संकल्पों का एक पहलू है कि संवैधानिक भाव एवं मूल्य तिरोहित न हों और देशकाल एवं परिस्थितियों के अनुरूप उन्हें सुसंगत किया जाता रहे। हमारे संविधान निर्माता इस संदर्भ में बहुत दूरदर्शी थे। उन्होंने इस लोकतांत्रिक ग्रंथ को जड़वत न बनाकर लचीला बनाया। भारतीय संविधान की सफलताओं में इस पहलू की विशिष्ट भूमिका भी रही है। यह पहलू संविधान की उचित व्याख्या के लिए गुंजाइश प्रदान करता है और इस दायित्व से संबंधित संस्थाएं समय-समय पर अपने इस कर्तव्य की पूर्ति भी करती रहती हैं। बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट द्वारा ईसाई पंथ से जुड़ी तमिलनाडु की एक महिला के अनुसूचित जाति के लाभ से जुड़ी याचिका के मामले में ऐसा ही किया गया। सर्वोच्च न्यायालय ने मद्रास हाई कोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए अनुच्छेद-25 के दुरुपयोग की बात कही। संविधान का अनुच्छेद 25 अंतःकरण की और धर्म यानी पंथ को निर्बाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है, लेकिन इसकी आड़ में देश में मतांतरण का घृणित कुचक्र चलाया जा रहा है। ईसाई और इस्लाम पंथ में मतांतरित अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों को आरक्षण के लाभ पर लंबे समय से बहस चली आ रही है। भारत के संविधान में शिक्षा, सेवा, सत्ता और शासन में अनुसूचित जाति-जनजाति की समुचित भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु आरक्षण का प्रविधान किया गया। अस्पृश्यता के खिलाफ डा. भीमराव आंबेडकर के लंबे संघर्ष के नाते तमाम दलों के नेता बात-बात में उनका नाम लेकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकना चाहते हैं। राजनीतिक दल और गठबंधन उसका फायदा उठाने के लिए इस्लामी और ईसाई संगठनों के पक्षकार

बनकर देश में उनके द्वारा किए जा रहे मतांतरण पर मौन हैं। समय-समय पर ईसाई मिशनरियों द्वारा अनुसूचित जाति और जनजाति के मतांतरण के समाचार प्रकाशित होते रहते हैं। भय या लालच की आड़ में मतांतरण कराने वाले जब पकड़े जाते हैं तो संविधान के अनुच्छेद-25 की आड़ लेकर बच निकलते हैं। बिहार के बक्सर जिले में पादरियों ने ईसाई पंथ में महिलाओं को मतांतरित करते समय उनकी मांग के सिंदूर को भी धो दिया था। उनकी गिरफ्तारी भी हुई, लेकिन अगले दिन ही उन्हें जमानत मिल जाने से कानून की कमजोरी उजागर हो गई। अनुसूचित जाति के लोगों द्वारा ईसाई या इस्लाम पंथ स्वीकार करने का कोई प्रमाणिक मामला सामने इसलिए नहीं आ पाता, क्योंकि अनुसूचित जाति की जनगणना में केवल हिंदू, सिख और बौद्ध का ही कालम होता है। उनके ईसाई या मुसलमान होने का उल्लेख नहीं मिलता। तमिलनाडु के उक्त मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से यह सिद्ध हो गया कि अनुसूचित जाति के लोग ईसाई बनते रहे हैं। इसी तरह जनजाति समाज के लोग मतांतरित होते रहते हैं। इससे सभी अवगत हैं, लेकिन कोई भी समस्या की तह तक जाने को तैयार नहीं। जनजाति समाज के मतांतरण के कारण पूर्वोत्तर के नगालैंड, मिजोरम और मेघालय ईसाई बहुल राज्य हो गए हैं। निकट भविष्य में अरुणाचल तथा मणिपुर के भी ईसाई बहुल होने के आसार बन गए हैं। वर्ष 1947 में देश का एक विभाजन हो गया। मिजोरम के ईसाई मुख्यमंत्री ने भी ईसाई देश बनाने की वकालत की थी। एससी-एसटी समाज के मतांतरण में लगे इस्लामी और ईसाई संगठनों से बचाने के लिए डा. आंबेडकर के विचारों को सामने लाकर इन समाजों को छल-बल से मतांतरित होने से रोकना होगा। आंबेडकर जीवन चरित के लेखक धनंजय कीर ने बाबा साहेब के दृष्टिकोण को इन शब्दों में अभिव्यक्ति दी है, 'अगर अस्पृश्यों ने इस्लाम या ईसाई पंथ स्वीकार किया तो वे हिंदू धर्म के साथ हिंदू संस्कृति से भी बाहर जाएंगे। अस्पृश्यों के मतांतरण की वजह से सामान्य रूप से देश पर क्या असर होगा, यह ध्यान में रखने लायक है। अगर वे मुसलमान हुए तो मुसलमानों की संख्या दोगुनी हो जाएगी। अगर वे ईसाई हुए तो ईसाइयों की संख्या पांच-छह करोड़ हो जाएगी। इसका नतीजा यह होगा कि इस देश पर ब्रिटिश सत्ता की पकड़ अधिक मजबूत होने में सहायता होगी।' ऐसे में कोई हैरानी नहीं कि वोटों के सौदागर ही अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों द्वारा मतांतरण के बाद भी उन्हें आरक्षण देने की मांग उठाते रहे हैं। अनुसूचित जाति के आरक्षण के संबंध में विचार करने के लिए एक आयोग का गठन किया गया है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश केजी बालकृष्णन की अध्यक्षता में 6 अक्टूबर 2022 को गठित आयोग को मतांतरित दलितों को एससी का दर्जा देने की स्थिति के व्यापक अध्ययन का काम सौंपा गया। आयोग का कार्यकाल एक वर्ष बढ़ाकर नई समय सीमा 10 अक्टूबर 2025 कर दी गई है। यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि 1950 के अनुच्छेद 341 के अंतर्गत वर्तमान कानूनी ढांचा केवल हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म के अनुयायियों को एससी का दर्जा देने की अनुमति देता है। आरंभ में यह आदेश केवल हिंदू समुदाय तक सीमित था, किंतु 1956 में सिख और 1990 में बौद्ध समुदाय को भी इसमें शामिल किया गया। राष्ट्र और समाज हित में संविधान संशोधन होते रहे हैं। आगे भी हो सकते हैं, लेकिन चूंकि एक बार देश का विभाजन हो चुका है अतः मत-मजहब के प्रचार-प्रसार के नाम पर मतांतरण की छूट न दी जाए। इसके साथ ही मतांतरित लोगों को आरक्षण का लाभ न मिले, इसके लिए भी कड़ा कानून बनाया जाए।

स्पोर्ट्स

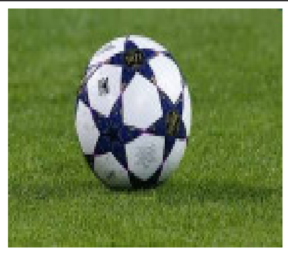

मोहम्मद सिराज ने तोड़ा विश्व रिकॉर्ड! 181.6 किमी0की स्पीड से फेंकी गेंद, शोएब अख्तर को पीछे छोड़ा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है, जिसको साझा करते हुए दावा किया जा रहा है कि तेज गेंदबाज ने 181.6 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंद फेंकी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला शुक्रवार से एडिलेड में खेला जा रहा है। इस मैच में मोहम्मद सिराज ने 2.90 के इकोनॉमी रेट से गेंदबाजी की, लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है, जिसको साझा करते हुए दावा किया जा रहा है कि तेज गेंदबाज ने 181.6 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंद फेंकी।यह घटना ऑस्ट्रेलिया की पारी के 25वें ओवर की है। मोहम्मद सिराज ने इस ओवर की चौथी गेंद फेंकी जिस पर ब्रॉडकास्टर ने उनकी गेंद की स्पीड 181.6 किमी प्रति घंटा दिखाई। इसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। फैंस को लगा कि भारतीय गेंदबाज ने नया रिकॉर्ड स्थापित कर दिया, लेकिन यह सच नहीं है। ब्रॉडकास्टर की गलती के कारण गलत रफ्तार स्क्रीन पर देखने को मिली। मालूम हो कि, सबसे तेज गेंद फेंकने का विश्व रिकॉर्ड पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर के नाम दर्ज है। उन्होंने 2003 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ 161.3 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी थी। सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल है, उसमें सिराज की गेंद की जो स्पीड दिखाई गई है वह इससे भी कहीं ज्यादा है। ऐसे में फैंस का दावा है कि उन्होंने शोएब अख्तर के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ दिया। हालांकि, यह सच नहीं है। यह पूरी तरह से ब्रॉडकास्टर की गलती के कारण हुआ। इसी ओवर में मोहम्मद सिराज और मार्नस लाबुशेन आमने-सामने आ गए थे। दरअसल, सिराज अपने ओवर की आखिरी गेंद फेंकने के लिए तैयार थे, वह रन-अप ले चुके थे। तभी लाबुशेन को साइट स्क्रीन के सामने से एक आदमी गुजरता दिखा। उन्हें अपना ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हुई तो उन्होंने सिराज को गेंद न करने से रोका। लाबुशेन के पीछे हटने से सिराज नाराज हो गए। उन्होंने गुस्से में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज की तरफ गेंद फेंक दी और उन्हें स्लेज किया। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है।टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम अपनी पहली पारी में महज 180 रन पर सिमट गई थी। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने दिन का खेल खत्म होने तक अपनी पहली पारी में एक विकेट पर 86 रन बना लिए हैं। फिलहाल मार्नश लाबुशेन 20 रन और नाथन मैकस्वीनी 38 रन बनाकर क्रीज पर हैं। दोनों के बीच अब तक 62 रन की साझेदारी हो चुकी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम अभी भी भारत से 94 रन पीछे है। ऑस्ट्रेलिया को एकमात्र झटका उस्मान ख्वाजा के रूप में लगा। उन्हें जसप्रीत बुमराह ने स्लिप में कप्तान रोहित शर्मा के हाथों कैच कराया। वह 13 रन बना सके।

10वीं बाजी में बढ़त हासिल करने के लिए बेताब होंगे गुकेश-लिरेन, अब तक समान अंक पर मौजूद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। विश्व चैंपियनशिप में अब सिर्फ पांच क्लासिकल बाजियां खेली जानी शेष है। गुरुवार को भी लिरेन और गुकेश ने अंक बांटे। चीन के 32 वर्षीय लिरेन ने पहली बाजी जीती थी जबकि गुकेश तीसरी बाजी में विजयी रहे थे। बाकी सभी बाजियां ड्रॉ रही। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश और गत चैंपियन चीन के डिंग लिरेन विश्व शतरंज चैंपियनशिप की 10वीं बाजी में बढ़त हासिल करने के लिए बेताब होंगे। गुकेश और लिरेन के बीच लगातार छह बाजी ड्रॉ रही है और दोनों खिलाड़ियों के फिलहाल एक समान 4.5 अंक हैं। गुकेश ने जीत के कई मौके गंवाए लेकिन फायदे की स्थिति को जीत में नहीं बदल सके। विश्व चैंपियनशिप में अब सिर्फ पांच क्लासिकल बाजियां खेली जानी शेष है। गुरुवार को भी लिरेन और गुकेश ने अंक बांटे। चीन के 32 वर्षीय लिरेन ने पहली बाजी जीती थी जबकि गुकेश तीसरी बाजी में विजयी रहे थे। बाकी सभी बाजियां ड्रॉ रही। अगर इतिहास की बात करें तो अगर आठ बाजियों के बाद स्कोर 4-4 से बराबर हो तो गत चैंपियन मैच जीत जाता है। भारतीय ग्रैंडमास्टर को पता है कि उन्हें अपने चीन के प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ बेजोड़ खेल दिखाना होगा जिन्हें मुश्किल समय में चतुराई भरी चाल चलने के लिए पहचाना जाता है। विश्व के नंबर एक और पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने बिना किसी संकोच के कहा कि गुकेश के पास अधिक समय नहीं है। कार्लसन ने कहा, मुझे लगता है कि हम आखिरकार उस लम्हे पर पहुंच गए हैं जब गुकेश अब इस मुकाबले में प्रबल दावेदार नहीं है, अब दोनों के पास 50 प्रतिशत मौका है। यदि 14 दौर के बाद भी स्कोर बराबर रहता है तो विजेता का निर्धारण करने के लिए फास्टर टाइम कंट्रोल का सहारा लिया जाएगा और कहा जाता है कि छोटे प्रारूप की बाजियों में लिरेन बेहतर स्थिति में रहते हैं।

एडिलेड टेस्ट में गरमाया माहौल, सिराज और लाबुशेन आए आमने-सामने

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लाबुशेन के पीछे हटने से सिराज नाराज हो गए। उन्होंने गुस्से में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज की तरफ गेंद फेंक दी और उन्हें स्लेज किया। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा टेस्ट मुकाबला एडिलेड में खेला जा रहा है। शुक्रवार से शुरू हुए इस मैच में भारतीय टीम पहली पारी में सिर्फ 180 रन बना पाई। मैच के दौरान मोहम्मद सिराज और मार्नस लाबुशेन के बीच अनबन देखने को मिली। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है। यह घटना ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के 25वें ओवर की है। मोहम्मद सिराज अपने ओवर की आखिरी गेंद फेंकने के लिए तैयार थे, वह रन-अप ले चुके थे। तभी लाबुशेन को साइट स्क्रीन के सामने से एक आदमी गुजरता दिखा। उन्हें अपना ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हुई तो उन्होंने सिराज को गेंद न करने से रोका। लाबुशेन के पीछे हटने से सिराज नाराज हो गए। उन्होंने गुस्से में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज की तरफ गेंद फेंक दी और उन्हें स्लेज किया। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फैंस भी सिराज की इस हरकत पर जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। लाबुशेन ने इसका बदला सिराज से अगली ही गेंद पर चौका जड़कर लिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम अपनी पहली पारी में महज 180 रन पर सिमट गई थी। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने दिन का खेल खत्म होने तक अपनी पहली पारी में एक विकेट पर 86 रन बना लिए हैं। फिलहाल मार्नश लाबुशेन 20 रन और नाथन मैकस्वीनी 38 रन बनाकर क्रीज पर हैं। दोनों के बीच अब तक 62 रन की साझेदारी हो चुकी है।

शायद उनके पास टैलेंट नहीं था विनोद कांबली के करियर को लेकर राहुल द्रविड़ का यह बयान दिया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत के लिए तीनों प्रारूपों को मिलाकर 509 मैच खेलने वाले द्रविड़ ने वायरल क्लिप में उदाहरण दिया कि कैसे विनोद कांबली में गेंद को हिट करने की अविश्वसनीय क्षमता थी, लेकिन शायद उनके पास अन्य क्षेत्रों में प्रतिभा नहीं थी, जिसकी वजह से वह नहीं समझ सके कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर होने के लिए क्या करना पड़ता है। विनोद कांबली का हाल ही में का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वह सचिन तेंदुलकर के साथ दिखे थे। उनके व्यवहार ने सभी का ध्यान खींचा था और वह अजीबोगरीब तरीके से सचिन के हाथ पकड़ते दिखे थे। अब राहुल द्रविड़ की एक पुरानी क्लिप सोशल मीडिया पर फिर से सामने आई है, जिसमें वह विनोद कांबली के नाम का उल्लेख करते हुए टैलेंट की परिभाषा पर अपने विचार साझा करते दिख रहे हैं। महान सचिन तेंदुलकर के बचपन के दोस्त कांबली जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेले तो उन्हें सबसे प्रतिभाशाली और चर्चित क्रिकेटरों में से एक माना जाता था, लेकिन वह अपनी छवि को बनाए रखने में नाकाम रहे। 1991 में डेब्यू करने के बाद भारत के लिए 104 वनडे और 17 टेस्ट खेलने के बावजूद कांबली का अंतरराष्ट्रीय करियर एक दशक भी नहीं चल सका। भारत के लिए तीनों प्रारूपों को मिलाकर 509 मैच खेलने वाले द्रविड़ ने वायरल क्लिप में उदाहरण दिया कि कैसे विनोद कांबली में गेंद को हिट करने की अविश्वसनीय क्षमता थी, लेकिन शायद उनके पास अन्य क्षेत्रों में प्रतिभा नहीं थी, जिसकी वजह से वह नहीं समझ सके कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर होने के लिए क्या करना पड़ता है। द्रविड़ ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम प्रतिभा को गलत आंकते हैं। हम प्रतिभा के रूप में क्या देखते हैं? मैंने भी वही गलती की है। हम लोगों की गेंद को हिट करने की क्षमता से प्रतिभा का न्याय करते हैं। क्रिकेट की गेंद की टाइमिंग या कितने अच्छे से किसी ने हिट किया, इससे जांचते हैं। यही एकमात्र चीज है जिसे हम प्रतिभा के रूप में देखते हैं। लेकिन दृढ़ संकल्प, साहस, अनुशासन और स्वभाव जैसी चीजें भी प्रतिभा हैं। जब हम प्रतिभा को आंकते हैं, तो मुझे लगता है कि हमें पूरे पैकेज को देखना होगा।' द्रविड़ ने कहा, 'यह समझाना कठिन है, लेकिन कुछ लोगों के पास सिर्फ टाइमिंग और बॉल-स्ट्राइकिंग की क्षमता है। सौरव गांगुली के पास सिर्फ कवर ड्राइव लगाने की क्षमता थी। उनके पास यह नैचुलर था। आप देख सकते हैं। सचिन और वीरू के पास भी कुछ क्षमताएं थीं। आप गौतम (गंभीर) जैसे व्यक्ति के बारे में ऐसा नहीं कहेंगे जितना आप इन अन्य लोगों के लिए कहेंगे। ऐसा नहीं है कि गौतम कम सफल हैं। तो यही हम प्रतिभा के रूप में देखते हैं। हम वास्तव में प्रतिभा के दूसरे पक्ष को नहीं देखते हैं। हम कहते हैं एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी टीम में जगह नहीं बना पाया। हम हमेशा इस तरफ देखते हैं लेकिन शायद उसके पास अन्य प्रतिभाएं नहीं थीं।

विकेटों के पतझड़ के बीच नीतीश की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी, 21 रन बनाकर बोलैंड की बत्ती गुल की

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। नीतीश की बल्लेबाजी मुश्किल परिस्थितियों में आई और उन्होंने मैदान पर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का डटकर सामना किया। बिना डरे वह अपने शॉट खेलते रहे और कंगारू गेंदबाजों का कभी हावी नहीं होने दिया। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एडिलेड में खेले जा रहे डे नाइट टेस्ट में नीतीश रेड्डी ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में टी20 अंदाज अपनाया और यह सफल भी रहा। विकेटों के पतझड़ के बीच उन्होंने स्कॉट बोलैंड को निशाना बनाया और उनके ओवर से 21 रन बटोरे। इसकी मदद से भारतीय टीम 170 का स्कोर पार करने में कामयाब रही। 21 साल के नीतीश का यह पहला ऑस्ट्रेलियाई दौरा है और अब तक वह तारीफ बटोरने में कामयाब रहे हैं। उन्होंने अब तक तीन पारियां खेली हैं और तीनों में शानदार बल्लेबाजी की है। सबसे बड़ी बात उनकी बल्लेबाजी मुश्किल परिस्थितियों में आई और उन्होंने मैदान पर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का डटकर सामना किया। बिना डरे वह अपने शॉट खेलते रहे और कंगारू गेंदबाजों का कभी हावी नहीं होने दिया।दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। भारत ने एक वक्त 141 रन पर आठ विकेट गंवा दिए थे। ऐसा लग रहा था कि टीम 150 रन के अंदर सिमट जाएगी। हालांकि, नीतीश ने हार नहीं मानी। उन्होंने पारी के 42वें ओवर में स्कॉट बोलैंड को निशाना बनाया। यह बोलैंड का 13वां ओवर था और वह इससे पहले रोहित शर्मा और शुभमन गिल के विकेट ले चुके थे। हालांकि, नीतीश के इरादे कुछ और ही थे। 42वें ओवर में नीतीश ने बोलैंड को जमकर धोया और 21 रन बटोरे। इनमें दो छक्के, दो नो बॉल और एक चौका शामिल है बोलैंड के इस ओवर की पहली गेंद पर नीतीश ने कोई रन नहीं लिया। अगली गेंद पर नीतीश ने रिवर्स स्कूप पर स्लिप के ऊपर से छक्का लगाया। इसके बाद तीसरी गेंद पर नीतीश ने फ्लिक किया और गेंद फाइन लेग बाउंड्री लाइन के बाहर चार रन के लिए गई। इसके बाद वाली गेंद नो बॉल थी और इस पर नीतीश ने दो रन लिए।वहीं, चौथी गेंद पर चुका था। यानी 18 रन बनाने में भारत ने चार और विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद ऋषभ पंत ने टिकने की कोशिश की, लेकिन कमिंस ने उन्हें भी पवेलियन भेज दिया। पंत ने 21 रन बनाए। अश्विन ने नीतीश रेड्डी के साथ पारी संभालने की कोशिश की और सातवें विकेट के लिए 32 रन की साझेदारी निभाई। स्टार्क ने फिर एकबार खलल डाला और अश्विन को चलता किया। वह 22 रन बना सके। हर्षित राणा और जसप्रीत बुमराह खाता खोले बिना आउट हुए।

जसप्रीत बुमराह ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, एक विकेट लेते ही कपिल देव-जहीर खान के खास क्लब में शामिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बुमराह एक कैलेंडर वर्ष में 50ङ टेस्ट विकेट पूरे करने वाले गेंदबाज बन गए। इसी के साथ वह पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव और जहीर खान के खास क्लब में शामिल हो गए। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शुक्रवार को बड़ी उपलब्धि हासिल की। वह एक कैलेंडर वर्ष में 50 टेस्ट विकेट पूरे करने वाले पहले गेंदबाज बन गए। उन्होंने यह कारनामा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी एडिलेड टेस्ट के पहले दिन किया। इस कारनामे के साथ बुमराह ने कपिल देव और जहीर खान के खास क्लब में जगह बना ली। दाएं हाथ के गेंदबाज ने दूसरे टेस्ट के पहले दिन उस्मान ख्वाजा को अपना शिकार बनाया। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के 11वें ओवर की आखिरी गेंद पर 31 वर्षीय गेंदबाज ने उस्मान को अपना शिकार बनाया और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह एक कैलेंडर वर्ष में 50ङ टेस्ट विकेट पूरे करने वाले गेंदबाज बन गए। इसी के साथ वह पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव और जहीर खान के खास क्लब में शामिल हो गए। विज्ञापन बुमराह ने इस साल खेले 11 टेस्ट मैचों में 50ङ विकेट चटकाए हैं। एडिलेड में जारी दूसरे टेस्ट में वह अपनी घातक गेंदबाजी से विपक्षियों की कमर तोड़ते दिखेंगे। बता दें कि, इससे पहले पर्थ टेस्ट में अनुभवी गेंदबाज ने कुल आठ विकेट चटकाए थे। इस शानदार प्रदर्शन के दम पर ही भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से हराने में कामयाबी हासिल की थी। उन्हें इस उम्दा गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया था। बुमराह से पहले भारत के लिए यह कारनामा कपिल देव ने किया था। उन्होंने 1979 और 1983 में क्रमशः 74 और 75 टेस्ट विकेट चटकाए। उनके बाद जहीर खान ने एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक टेस्ट विकेट अपने नाम किए थे। उन्होंने 2002 में 51 विकेट हासिल किए थे। अब इस लिस्ट में बुमराह का भी नाम शामिल हो गया है।

जो बोल नहीं सकती, उसके हुनर की गूंज पूरे देश ने सुनी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अगर दिल में हौसला है तो कोई भी बाधा आपको सफल होने से नहीं रोक सकती। बरेली की मूक-बधिर बेटी रिदम शर्मा ने ऐसा कर दिखाया है। उन्होंने मलयेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में 10वीं एशियन पैसिफिक डेफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दो स्वर्ण व एक रजत पदक जीतकर नाम रोशन किया है। बरेली की मूक-बधिर बेटी भले ही बोल और सुन नहीं सकती, लेकिन आज उसकी सफलता की गूंज पूरे देश में है। पैरा एथलीट रिदम शर्मा ने एक दिसंबर से मलयेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में चल रही 10वीं एशियन पैसिफिक डेफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दो स्वर्ण व एक रजत पदक जीतकर नाम रोशन किया है। उन्होंने बृहस्पतिवार को 400 मीटर मिक्स रिले व 4400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक हासिल जीते। शुक्रवार को 400 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक अपने नाम किया। रिदम ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय ऑल इंडिया स्पोर्ट्स काउंसिल ऑफ डेफ के महासचिव सुरेश, डेफ स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ यूपी, कोच अजय कश्यप आदि को दिया है। दो माह बाद होने वाली वर्ल्ड डेफ एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए भी उनका चयन हो चुका है। इस प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने पर उनका चयन डेफलिंपिक्स के लिए भी हो सकता है। विज्ञापन बड़ा बाजार निवासी रिदम (17) ने इससे पहले इंदौर में हुई 35वीं राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 200 मीटर दौड़, 100 व 400 मीटर बाधा दौड़ में तीन पदक हासिल किए थे। बंगलूरू में आयोजित ट्रायल में शानदार प्रदर्शन के दम पर उनका चयन बीते साल ब्राजील में आयोजित वर्ल्ड डेफ एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए हुआ था, लेकिन कुछ समस्याओं के कारण वह इसमें प्रतिभाग नहीं कर सकी थीं। माता-पिता के समझाने पर उन्होंने दोबारा अभ्यास शुरू किया और आज दुनिया के फलक पर छा गईं। उनकी मां पूनम शर्मा गृहिणी और पिता अनुकाम शर्मा प्राइवेट जॉब करते हैं। उन्होंने बताया कि बेटी को आगे बढ़ाने के लिए वह हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

मोटर मैकेनिक के बेटे ने हॉकी से दूर की परिवार की तंगी, एशिया कप के बाद एचआईएल में लगाएंगे जोर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इस 20 साल के खिलाड़ी की अगुवाई में भारत ने हाल ही रिकॉर्ड पांचवीं बार जूनियर एशिया कप का खिताब जीता है। जूनियर एशिया कप में जीत के बाद आत्मविश्वास से लबरेज आमिर एचआईएल में अपनी लय को जारी रखना चाहते है। अपने आदर्श मनप्रीत सिंह को खेलते हुए देखने के लिए 10 किलोमीटर से ज्यादा पैदल चलने वाले आमिर अली भारतीय टीम के पूर्व कप्तान के साथ हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में एक साथ खेलने को लेकर रोमांचित हैं। आमिर के पिता मोटरसाइकिल मैकेनिक है और उन्हें अपने अब तक के सफर में वित्तीय मामले में काफी संघर्षों करना पड़ा है। आमिर हॉकी के जरिये अपने परिवार की इस समस्या को समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। एचआईएल 2024-25 नीलामी में टीम गोनासिका द्वारा 34 लाख रुपये में खरीदे गए आमिर ने कहा, अपनी किशोरावस्था के दौरान, मुझे अपने पिता की बाइक मैकेनिक की नौकरी से शर्मिंदगी महसूस होती थी क्योंकि मैं इतना परिपक्व नहीं था कि यह महसूस कर सकूं कि कोई भी काम महत्वहीन नहीं है। उन्होंने कहा, यह हमारे परिवार का संघर्ष ही था जिसने मुझे हॉकी में अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया।

संक्षिप्त समाचार

भस्म आरती में ड्रायफ्रूट, भांग से सजे बाबा महाकाल, नंदी हॉल से दर्शन के लिए नई व्यवस्था की शुरुआत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
उज्जैन। भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल का भांग और ड्रायफ्रूट से अद्भुत श्रृंगार किया गया, जिसे देखकर श्रद्धालु अभिभूत हो गए। महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से बाबा

महाकाल को भस्म अर्पित की गई। उज्जैन श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार को हुई भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल का भांग, ड्रायफ्रूट और पूजन सामग्री से आकर्षक श्रृंगार किया गया। बाबा महाकाल के मस्तक पर सूर्य का प्रतीक बनाकर भव्य सजावट की गई। इससे पहले भक्तों को दर्शन देने के लिए बाबा महाकाल सुबह 4 बजे जागे। इसके बाद भस्म आरती की गई। श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि मार्गशीर्ष माह शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पर भगवान महाकाल सुबह 4 बजे जागे। भगवान वीरभद्र और मानभद्र की आज्ञा लेकर मंदिर के पट खोले गए। इसके बाद भगवान को गर्म जल से स्नान कराया गया। पंचामृत अभिषेक और केसर युक्त जल अर्पण के साथ पूजा-अर्चना की गई। भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल का भांग और ड्रायफ्रूट से अद्भुत श्रृंगार किया गया, जिसे देखकर श्रद्धालु अभिभूत हो गए। महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से बाबा महाकाल को भस्म अर्पित की गई। श्रद्धालुओं ने नंदी हॉल और गणेश मंडपम से बाबा महाकाल की दिव्य भस्म आरती के दर्शन किए। इस दौरान बाबा महाकाल के साकार रूप के दर्शन कर श्रद्धालुओं ने ठजय श्री महाकालठ के जयघोष किए। महाकाल मंदिर के नंदी हॉल से भगवान महाकाल के दर्शन के लिए अब आरएफआईडी बैंड का उपयोग किया जाएगा। भस्म आरती में इस तकनीक के सफल प्रयोग के बाद मंदिर समिति ने इसे दर्शन व्यवस्था में शामिल करने का निर्णय लिया है।

आप चलेगी भाजपा की चाल, कई विधायकों से 'झाड़ू' छीना जाना तय, इस फॉर्मूले पर मिलेगा टिकट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पार्टी सूत्रों की माने तो मौजूदा सर्वे में पार्टी को 2013 और 2020 जैसा माहौल नहीं दिख रहा। विधायकों के प्रदर्शन के आधार पर को भी परखा जाएगा। इसमें दूसरे दलों से आप में शामिल होने वाले वाले नेताओं से भी कोई भेदभाव नहीं होगा। पार्टी के तरफ से जारी पहली लिस्ट में ऐसे कई उम्मीदवारों का नाम शामिल

कुछ सीटें कमजोर दिख रही हैं। कुछ सीटों पर मौजूदा विधायकों से लोगों में नाराजगी भी हैं। दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव आप के कई बड़े चेहरे चुनाव मैदान से बाहर रहेंगे। वहीं, कई विधायकों के टिकट कटने व कुछ की सीट बदलने की संभावना है। पार्टी सूत्र बताते हैं कि रणनीतिक तौर पर इस बार ऐसे किसी भी उम्मीदवार को मौका नहीं दिया जाएगा, जो केवल पार्टी के नाम पर चुनाव लड़ना चाहते हैं। उम्मीदवार तय करते समय क्षेत्र विशेष में प्रत्याशियों की पहचान के साथ जीतने की संभावनाओं था, जो कांग्रेस या भाजपा से आप में शामिल हुए। पार्टी सूत्रों की माने तो इस चुनाव को लेकर पार्टी बड़े स्तर पर काम कर रही है। पार्टी की कोशिश है कि 25 दिसंबर से पहले अधिकतर सीटों पर उम्मीदवारों का नाम तय हो जाए। ऐसे में उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में 10-12 अन्य उम्मीदवारों के नामों की घोषणा हो जाएगी। इन नामों में ऐसे उम्मीदवार शामिल होंगे, जो बीते दिनों कांग्रेस या भाजपा से आप में शामिल हुए हैं। पार्टी सूत्रों की माने तो मौजूदा सर्वे में पार्टी को 2013 और 2020 जैसा माहौल नहीं दिख रहा। विधायकों के प्रदर्शन के आधार पर कुछ सीटें कमजोर दिख रही हैं। कुछ सीटों पर मौजूदा विधायकों से लोगों में नाराजगी भी हैं। इन सीटों पर उम्मीदवार को बदलकर माहौल को बेहतर बनाने की कोशिश की जा रही है। ऐसे में उम्मीद है कि आने वाले कुछ दिनों में कई विधायकों की जगह पर दूसरे नेताओं को चुनाव लड़ने का मौका मिल सकता है। सूत्रों का कहना है कि भाजपा ने भी लोकसभा चुनाव में अपने छह उम्मीदवारों को बदल दिया था। देशभर में माहौल विपरीत होने के बाद भी परिणाम उनके पक्ष में रहा। ऐसे में आप भी उसी फॉर्मूले को अपनाते हुए ज्यादातर सीटों पर नए उम्मीदवारों को मौका देना चाहती है। इसका दोहरा फायदा पार्टी को होगा। एक उन कार्यकर्ताओं को भी चुनाव लड़ने का मौका मिलेगा जो लंबे समय से पार्टी के लिए प्रयास कर रहे हैं। वहीं उम्मीदवार को लेकर एंटी इनकम्बेंसी भी खत्म हो जाएगी।पार्टी सूत्रों को माने तो एक-एक करके सभी सीटों पर उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया चल रही है। मौजूदा समय में केवल 20 फीसदी पुराने चेहरे को ही फिर से टिकट मिलने का आश्वासन मिला है। इनमें से भी कई ऐसे उम्मीदवार हैं जिनकी सीट बदली भी जा सकती है।

6वीं रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव सीएम बोले- नर्मदा तट पर निवेश और नवाचार का होगा संगम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। नर्मदापुरम में 6वीं रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव (आरआईसी) का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा और एमएसएमई के लिए उपलब्ध संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं का वर्चुअल भूमिपूजन

कि आज नर्मदा के तट पर निवेश और नवाचार का संगम होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को नर्मदापुरम में 6वीं रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव (आरआईसी) का शुभारंभ करेंगे। कॉन्क्लेव में शामिल होने के लिए 4 हजार से अधिक रजिस्ट्रेशन हुए हैं। इसमें तीन हजार एमएसएमई प्रतिनिधि, 75 प्रमुख निवेशक, और कनाडा, वियतनाम, नीदरलैंड, मेक्सिको और मलेशिया जैसे 5 देशों के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि शामिल होंगे। विभिन्न सेक्टोरल सत्रों में राज्य की औद्योगिक नीति, निवेश प्रोत्साहन और उद्घाटन करेंगे। इस आरआईसी में निवेशकों को भूमि आवंटन-पत्र भी वितरित किये जाएंगे। निवेशकों के साथ वन-टू-वन मीटिंग होगी, जिसमें 10 से अधिक प्रमुख निवेशक अपनी योजनाएं प्रस्तुत करेंगे। राउंड टेबल सत्र नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र पर केंद्रित होगा। निर्यात कैसे शुरू करें' और 'पर्यटन में निवेश संभावनाएं' जैसे विषयों पर सेक्टोरल-सत्र भी होंगे। नर्मदापुरम, जो अपनी धार्मिक, प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर के लिए जाना जाता है।

फरवरी 2026 तक सड़कों पर नहीं दिखेंगी पुरानी बसें, ई-बसों का बढ़ेगा बेड़ा सीएनजी गाड़ियां भी हटेंगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इसके तहत चरणबद्ध तरीके से बसों को हटाया जाएगा। जैसे-जैसे पुरानी बसे हटेंगी उसकी जगह पर नई इलेक्ट्रिक बसें को लाया जाएगा। दिल्ली की सड़कों से परिवहन निगम ने अपनी पुरानी बसों को फरवरी 2026 तक पूरी तरह से हटाने की योजना तैयार की है। इसके तहत 150 से अधिक बसों की खेप आ चुकी है। मौजूदा समय में चार से पांच रूटों पर बसों का ट्रायल किया जा रहा है। आगामी दो सप्ताह के भीतर 150 मोहल्ला बसों को संचालन शुरू होगा। सरकार का दावा है कि दिल्ली में 2025 तक 10,480 बसों में से 80 फीसदी बसें इलेक्ट्रिक हो। इस लक्ष्य को पूरा करने से दिल्ली दुनिया का सबसे बड़ा

चरणबद्ध तरीके से बसों को हटाया जाएगा। जैसे-जैसे पुरानी बसे हटेंगी उसकी जगह पर नई इलेक्ट्रिक बसें को लाया जाएगा। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि डीटीसी और क्लस्टर सेवाओं में पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए ई-बसों के बेड़े का विस्तार किया जा रहा है। फिलहाल, डीटीसी 1,602 ई-बसों का संचालन कर रही है, वही क्लस्टर बेड़े में 400 ई-बसें हैं। इसे और मजबूत करने के लिए, आने वाले दिनों में 1,038 नौ-मीटर ई-बसें और 200 12 मीटर ई-बसें शामिल होंगी। इसके अतिरिक्त, क्लस्टर सेवा में 1,040 नौ-मीटर ई-बसें और 1,600 12 मीटर की ई-बसें जल्द आएंगी। अधिकारियों के अनुसार, मोहल्ला बसों के संचालन के लिए रूट तय कर लिए गए हैं। इलेक्ट्रिक बस बेड़ा वाला शहर बन जाएगा। अभी दिल्ली में 1970 इलेक्ट्रिक बसें हैं। यह बसें साल 2022 में 249, 2023 में 1050 और 2024 में 670 शामिल की गई हैं।अधिकारियों ने बताया कि पुरानी बसों को हटाने के क्रम फरवरी 2026 तक चलेगा। अगले 14 माह में 2,624 सीएनजी बसों को सड़कों से हटाया जाएगा। इस माह 188 बसें हटाई जाएंगी। मार्च 2025 अंत तक कुल 950 हटाई जाएंगी। साल 2025 अंत तक दो हजार से अधिक बसों को हटाया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि मौजूदा समय में 2,760 सीएनजी बसें ऐसी हैं जो अपनी उम्र सीमा पार कर चुकी हैं। इन बसों की स्थिति और खराब होती जा रही है। ऐसे में चरणबद्ध तरीके से बसों को हटाया जाएगा।

सेक्टर-144 की लिफ्ट में एक घंटे फंसे दंपती मदद के लिए चिल्लाते रहे, नदारद था ऑपरेटर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मदद के लिए दोनों ने एक घंटे तक चिल्लाते रहे, लेकिन लिफ्ट ऑपरेटर के मौके पर न होने से उन्हें मदद नहीं मिल पाई। सेक्टर-144 स्थित गुलशन बोटनिया लिफ्ट अचानक चालू हो जाती तो हादसा हो सकता था। उन्होंने शुक्रवार को इसकी शिकायत पुलिस को दी। पंकज ने बताया कि लिफ्ट में फंसने पर इंटरकाम से कॉल किया तब मौके पर सुरक्षाकर्मी पहुंचे।

सोसाइटी में बृहस्पतिवार रात 9वीं मंजिल पर जाने के लिए जैसे ही पंकज और निधि लिफ्ट में चढ़े कि बीच में ही वह रुक गई। मदद के लिए दोनों ने एक घंटे तक चिल्लाते रहे, लेकिन लिफ्ट ऑपरेटर के मौके पर न होने से उन्हें मदद नहीं मिल पाई। इससे दंपती दहशत में आ गए। शुक्रवार को उन्होंने घटना की शिकायत पुलिस में दी। पंकज ने बताया कि वह पत्नी निधि के साथ रात 10 बजे टहलकर 9वीं मंजिल के फ्लैट में जा रहे थे। ग्राउंड फ्लोर से वह लिफ्ट में सवार हुए तो पहली मंजिल पर जाकर लिफ्ट अटक गई और झटके से निचली मंजिल पर आ गई। अगर ऐसे में जानकारी न होने से गार्ड लिफ्ट नहीं खोल सके। घटना के वक्त सोसाइटी में कोई लिफ्ट आपरेटर भी मौजूद नहीं था। सोसाइटी में पुलिस पहुंची, लेकिन प्रबंधन ने उन्हें समझौता होने की बात कहकर लौटा दिया। वहीं, सोसायटी के डिप्टी मैनेजर फैसिलिटी मितेंद्र ने बताया कि प्रिंटेड सर्किट बोर्ड में फाल्ट के कारण लिफ्ट खराब हुई, जिससे आटोमेटिक रेस्क्यू डिवाइड नहीं हो सका। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित पंचशील हाईनिश सोसाइटी में रहने वाली महिला लिफ्ट के फ्री फाल होने से घबरा गई। गनीमत रही कि महिला को कोई चोट नहीं आई।

ग्रेप में ढील के बाद खराब होने वाली है राजधानी की हवा, सीपीसीबी का अनुमान आज बदल सकती है स्थिति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने कहा- पुरुषों को परेशान करने के लिए किया जा दुरुपयोग के कारण अनुचित कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। न्यायमूर्ति चंद्राधारी सिंह ने कहा यह

रहा है धारा 376 का इस्तेमाल, एक प्राथमिकी रद्द अदालत ने कहा, यह एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि कैसे एक निर्दोष व्यक्ति को दंड प्रावधान के दुरुपयोग के कारण अनुचित कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उच्च न्यायालय ने धारा 376 के दुरुपयोग का हवाला देते हुए एक व्यक्ति के खिलाफ दर्ज दुष्कर्म की एफआईआर को रद्द कर दिया। अदालत ने कहा, यह एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि कैसे एक निर्दोष व्यक्ति को दंड प्रावधान के सच है कि जिस प्रावधान के तहत एफआईआर दर्ज की गई है वह महिलाओं के खिलाफ सबसे जघन्य अपराधों में से एक है। हालांकि, यह भी एक स्थापित तथ्य है कि कुछ लोग इसे अपने पुरुष समकक्ष को अनावश्यक रूप से परेशान करने के लिए एक हथियार के रूप में उपयोग करते हैं।कोर्ट ने सितंबर 2021 में उस व्यक्ति के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उसने शिकायतकर्ता का यौन उत्पीड़न किया था। उन्होंने इस आधार पर एफआईआर को रद्द करने की मांग की कि वह और शिकायतकर्ता रिश्ते में थे और सहमति से संबंध स्थापित किए थे। उन्होंने कहा कि मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज कराए गए उसके बयान से पता चला कि शादी के झूठे बहाने पर उसके साथ संबंध बनाने में कोई आरोप नहीं थे।इस तर्क के समर्थन में उस व्यक्ति ने व्हाट्सएप चैट के स्क्रीनशॉट और ऑडियो रिकॉर्डिंग की ट्रांसक्रिप्ट को रिकॉर्ड पर रखा। हालांकि, अभियोजन पक्ष ने कहा कि एफआईआर धारा 376 के तहत दर्ज की गई थी और चूंकि यह एक जघन्य अपराध है, इसलिए इसे रद्द करने का कोई आधार नहीं है।याचिका को स्वीकार करते हुए अदालत ने कहा कि व्यक्ति के परिवार की आपत्तियों के बावजूद वह शिकायतकर्ता से शादी करने के लिए तैयार था, जिसने बाद में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई और किसी अन्य व्यक्ति के साथ संबंध बना लिया। अदालत ने कहा कि पक्षों के बीच व्हाट्सएप चैट से पता चला है कि पीड़िता ने उस व्यक्ति को कई संदेश भेजे थे और किसी अन्य व्यक्ति से शादी करने के अपने फैसले के बारे में जानकारी दी थी और इस प्रकार एफआईआर एक बाद के विचार के अलावा और कुछ नहीं थी।

नरेश बाल्यान की बढ़ी मुश्किलें, अब 13 दिसंबर तक रहेंगे पुलिस हिरासत में

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के विधायक नरेश बाल्यान को राउज एवेन्यू कोर्ट ने सात दिन की पुलिस दिया था। पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद बाल्यान को विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की अदालत के सामने पेश किया गया था। मकोका के तहत

हिरासत में भेजा है। मकोका मामले में आप विधायक को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। आम आदमी पार्टी के विधायक नरेश बाल्यान को मकोका मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 13 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस ने मकोका मामले में मौजूदा विधायक को गिरफ्तार किया था। विधायक नरेश बाल्यान श्ण्र्र्ध्र् मामला । दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने विधायक नरेश बाल्यान को 13 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने बृहस्पतिवार को आप विधायक नरेश बाल्यान को कथित संगठित अपराध से संबंधित एक मामले में एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दर्ज मामले में पूछताछ के लिए दिल्ली पुलिस ने न्यायाधीश से बाल्यान की 10 दिन की हिरासत मांगी। ऐसे में न्यायाधीश ने कहा कि दिल्ली पुलिस की अर्जी पर बहस के लिए अधिक समय की आवश्यकता होगी। ऐसे में कोर्ट ने बाल्यान को एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। बीते दिन ही द्वारका कोर्ट ने बृहस्पतिवार को संगठित अपराध (मकोका) के एक कथित मामले में आप विधायक नरेश बाल्यान से पूछताछ के लिए 10 दिन की हिरासत की मांग करने वाली पुलिस की याचिका खारिज कर दी थी। हालांकि, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वंदना जैन ने जांच अधिकारी को उचित अदालत के समक्ष उचित आवेदन प्रस्तुत करने की स्वतंत्रता प्रदान की।

बन सकती है बात कल नोएडा आ रहे मुख्य सचिव, धक्कामुक्की और नोकझोंक के बीच 44 किसान गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा के जीरो प्वाइंट से दिल्ली कूच करते किसानों रिपोर्ट देंगे। शुक्रवार सुबह से ही संयुक्त किसान मोर्चा के नेता सोशल मीडिया पर आंदोलन जारी रखने का बृहस्पतिवार को 43 किसानों को जेल भेजा गया था। ऐसे में अब तक 122 किसानों को यहां लाया जा चुका है।

को पुलिस ने परी चौक पर रोक लिया। इस दौरान 45 किसानों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। पुलिस और महिला-किसानों में धक्कामुक्की व नोकझोंक हुई। दस फीसदी भूखंड देने समेत अन्य मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर शुक्रवार को दिल्ली कूच करते पचास से अधिक किसानों और महिलाओं को पुलिस ने परी चौक पर रोक लिया। इसके बाद 45 किसानों को गिरफ्तार कर लुक्सर जेल भेज दिया गया। इस दौरान पुलिस और महिला-किसानों में धक्कामुक्की व नोकझोंक हुई। कुछ युवकों ने वीडियो बनाने का प्रयास किया तो उन्हें पुलिस ने पकड़कर किसानों के साथ जेल भेज दिया। वहीं दूसरी तरफ खबर है कि मुख्य सचिव खुद नोएडा आ रहे हैं। जहां वह तीनों प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ किसानों के मुद्दे पर बैठक करेंगे और वापस जाकर आगे की आह्वान कर रहे थे। जीरो पाइंट पर पहुंचकर दिल्ली कूच करने का ऐलान किया जा रहा था। इस कारण यमुना एक्सप्रेसवे के जीरो पाइंट पर पुलिस बल तैनात रहा। यहां पर किसी को जाने नहीं दिया जा रहा था। दोपहर करीब 12 बजे महिलाओं के साथ पचास से अधिक किसान नारेबाजी करते हुए परी चौक पर पहुंच गए। पुलिस, पीएसी और आरपीएफ के जवानों ने किसानों और महिलाओं को घेर लिया। आंदोलनरत किसानों ने कहा कि सरकार उनकी मांगों पर विचार करने की जगह आवाज दबा रही है। किसान आंदोलन को कुचलने का काम किया जा रहा है। जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी आंदोलन जारी रहेगा। इसके बाद पुलिस ने विरोध के बीच किसानों की घेराबंदी कर पांच बसों में भर दिया।45 किसानों को पुलिस ने पांच बसों में भरकर जेल पहुंचाया। बुधवार को 34 व सभी किसानों को सामान्य बैरक में रखा गया है। इनमें एक भी महिला और बुजुर्ग शामिल नहीं है। परी चौक पर लगा जाम किसानों के प्रदर्शन के कारण अल्फा गोलचक्कर से लेकर परी चौक तक जाम लगा रहा। इससे एक्सप्रेसवे और परी चौक आने वाले मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। ऑफिस जाने वाले कर्मचारियों, स्कूल के बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने वाहनों को वैकल्पिक मार्गों पर मोड़ने का प्रयास किया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका।महापंचायत के कारण पुलिस सुबह से ही अलर्ट रही। डीसीपी, एडीसीपी, एसीपी स्तर के अधिकारियों ने मौके पर तैनात पीएसी, आरएएफ के जवानों को किसानों को किसी भी हालत में धरना स्थल पर एकत्रित न होने देने के लिए कहा। पुलिस की ओर से लगातार फ्लैग मार्ग मार्च किया गया।

बदलेगा मौसम अगले दो दिन बारिश और बर्फबारी के आसार, तापमान गिरने से बढ़ेगी ठंड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आठ और नौ दिसंबर को उत्तराखंड में पश्चिमी विक्षोभ प्रभावित होने से 2500 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की से मध्यम दर्जे की बर्फबारी होने की संभावना है।उत्तराखंड में रविवार से मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम वैज्ञानिकों ने ऊंचाई वाले इलाकों में आठ और नौ दिसंबर को हल्की बारिश के साथ बर्फबारी होने के आसार जताए हैं। इसके चलते प्रदेश में पहाड़ से लेकर मैदान तक तापमान गिरने से ठिठुरन बढ़ सकती है। मौसम वैज्ञानिक रोहित

थपलियाल ने बताया, आठ और नौ दिसंबर को उत्तराखंड में पश्चिमी विक्षोभ प्रभावित होने से 2500 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की से मध्यम दर्जे की बर्फबारी होने की संभावना है। बताया, मौसम बिगड़ने का सिलसिला आठ दिसंबर को दोपहर बाद शुरू होगा। तेज गर्जन और हवा चलने के साथ प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। 10 दिसंबर के बाद प्रदेशभर में फिर मौसम शुष्क हो जाएगा, लेकिन पश्चिमी विक्षोभ के चलते अधिकतम तापमान में तीन से पांच डिग्री तक की गिरावट दर्ज की जाएगी। इसके चलते पहाड़ से लेकर मैदान तक ठिठुरन बढ़ सकती है।

गिरिपार की पंचायत कमरऊ में अनोखी शादी, संयुक्त परिवार के 4 भाइयों की एक साथ निकलेगी बरात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ऐतिहासिक कमरऊ पंचायत में शनिवार को एक ही घर से चार बारातें निकलेंगी। ध्यान रहे कि नब्बे के दशक में इस गांव को

एशिया के सबसे अमीर गांवों की सूची में शामिल किया गया था। पढ़ें पूरी खबर आधुनिक युग में पहाड़ी प्रदेश में भी संयुक्त परिवार बिखरते जा रहे है। लेकिन, गिरिपार क्षेत्र के कई गांव आज भी सदियों पुरानी संयुक्त परिवार की परंपरा कायम है। ऐसा ही एक उदाहरण कमरऊ पंचायत में शनिवार को देखने को मिलेगा। सात दिसंबर को एक ही परिवार से एक साथ चार चचेरे भाइयों की बरात निकलेगी। बता दें कि गिरिपार क्षेत्र का कमरऊ गांव खनन क्षेत्र के लिए देशभर में काफी चर्चित रहा है। नब्बे के दशक में इस गांव को एशिया के सबसे अमीर गांवों की सूची में शामिल किया गया था। अब कमरऊ गांव एक और अनूठी पहल के लिए चर्चा में आ गया है। पंचायत प्रधान मोहन ठाकुर, भरत ठाकुर, दिनेश शर्मा व कंवर सिंह ने बताया कि 7 दिसंबर को एक नया इतिहास लिखा जा रहा है। कमरऊ के मुनाणा गांव से एक ही घर से चार बरातें निकलेंगी। गांव के एक संयुक्त परिवार में चार भाई मदन तोमर, रामलाल तोमर, सूरत सिंह व पूरण तोमर हैं। इस संयुक्त परिवार ने इस वर्ष चारों बेटों का विवाह करवाने का फैसला लिया। इस दौरान सबसे बड़े भाई मदन सिंह के पुत्र अजय का विवाह गांव मकड़ाना निवासी उमा से होने जा रहा है। रामलाल तोमर उर्फ गटू के दो पुत्रों राहुल का विवाह नघेता निवासी बबली (अंजू) से तथा रोहित का विवाह दंदोग निवासी बबीता (बोबी) से तथा सूरत सिंह के पुत्र विजय उर्फ सचिन का विवाह गोरखूवाला निवासी दीपा के साथ हो रहा है।केंद्रीय हाटी समिति अध्यक्ष डॉ. अमीचंद कमल, महासचिव कुंदन सिंह शास्त्री, पूर्व सिरमौर ट्रक यूनियन अध्यक्ष चतर सिंह ठाकुर, खजान सिंह, अतर सिंह नेगी, डॉ. मोही राम चौहान, रामकिशन, इंद्र सिंह व दीपचंद तोमर ने बताया कि पूरे प्रदेश व जिले में शायद ऐसा पहली बार होने जा रहा है। केंद्रीय हाटी समिति महासचिव कुंदन सिंह शास्त्री, उदय शर्मा, शेर सिंह ठाकुर व इंदर सिंह ठाकुर ने कहा कि संयुक्त परिवार का यह अनूठा उदाहरण है।

डिवाइडर तोड़ टीले में जाकर अटका सेना का अनियंत्रित वाहन, कुछ जवान घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
बद्रीनाथ। बद्रीनाथ हाईवे पर बिरही में एक सेना का वाहन अनियंत्रित होकर हाईवे का डिवाइडर तोड़कर एक टीले में जाकर अटक गया। यह जोशीमठ में तैनात मद्रास

रेजिमेंट के जवानों का वाहन था। बद्रीनाथ हाईवे पर बिरही में एक सेना का वाहन अनियंत्रित होकर हाईवे का डिवाइडर तोड़कर एक टीले में जाकर अटक गया। यह जोशीमठ में तैनात मद्रास रेजिमेंट के जवानों का वाहन था। जो ज्योतिर्मठ से देहरादून की ओर जा रहा था। कुछ जवान घायल हुए हैं। आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी ने बताया कि घायलों को रेस्क्यू किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादकः-डा. दीपक अरोरा
मो0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।